संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 45 सोमवार 16 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की सबसे बहादुर पुलिस बलों में से है छत्तीसगढ़ पुलिसःअमित

» केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की तारीफ

रायपुर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित बेहद गरिमामय कार्यक्रम में राज्य की पुलिस को राष्ट्रपति निशान (पुलिस कलर्स अवार्ड-2024) सौंपा। यह देश के सशस्त्र बलों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। विगत 24 वर्षों में छत्तीसगढ़ पुलिस की असाधारण सेवाओं, बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के लिए राज्य को यह सम्मान मिला है। छत्तीसगढ़ यह सम्मान हासिल करने वाला देश का सबसे युवा राज्य है, जिसने अपने गठन के मात्र 24 वर्षों में ही यह उपलब्धि हासिल की है। गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति का पुलिस कलर्स अवार्ड केवल एक सम्मान नहीं है, यह सेवा और कर्तव्य का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने नक्सलवाद, संगठित अपराध और मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में जो साहस और प्रतिबद्धता दिखाई है, वह अभूतपूर्व है। छत्तीसगढ़ पुलिस देश के सर्वश्रेष्ठ और बहादुर पुलिस बलों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार छत्तीसगढ़ और देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ और देश से नक्सलवाद का पूर्णतः खात्मा हो जाएगा। शाह ने छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि इसने न केवल कानून और व्यवस्था को बनाए रखा है, बल्कि जनता के विश्वास को भी मजबूत किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्टपति का पुलिस कलर्स अवार्ड पुलिस बल के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा, उनका हौसला और मनोबल बढ़ाएगा। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जांबाज पुलिस को राष्ट्रपति निशान सौंपना मेरे लिए भी गर्व की बात है। यह सम्मान छत्तीसगढ़ की पुलिस की कड़ी मेहनत, समर्पण और जनता के प्रति लगाव का द्योतक है। छत्तीसगढ़ की पुलिस नक्सलियों के ताबूत में आखिरी कील ठोंकने की तैयारी में है। यहां की पुलिस ने कानून-व्यवस्था और नक्सल मोर्चे के साथ ही कोरोना महामारी में भी बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौटने की अपील की। शाह ने समारोह में देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को आज उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का जो कार्य किया, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद-370 को हटाकर और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों और अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के केवल 24 वर्षों में हमारे पुलिस बल को उनकी असाधारण सेवाओं और जनता के प्रति समर्पण के लिए मिला है। यह सम्मान न केवल पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें और अधिक उत्साह के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने एंटी-नक्सल ऑपरेशनों में छत्तीसगढ़ पुलिस की सफलता पर कहा कि बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था और विशेष प्रावधान सरकार द्वारा किए गए हैं। भारत सरकार की नीति के अनुरूप हिंसा का रास्ता छोड़ आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल ट्रांजिट कैम्प में रखने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही उन्हें तीन साल तक 10 हजार रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड के तौर पर देने की व्यवस्था की गई है। उनके कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

साय ने कहा कि पुनर्वास नीति के तहत 5 लाख या उससे अधिक के इनामी माओवादी के आत्मसमर्पण करने पर उन्हें आवास हेतु शहरी क्षेत्र में अधिकतम 4 डिसमिल जमीन या ग्रामीण क्षेत्र में अधिकतम 1 हेक्टेयर कृषि भूमि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उन्हें सुरक्षित जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा इनके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 15,000 पक्के आवास स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए शुरू किए गए 'महिला थाना', महिला हेल्प डेस्क और 'अभिव्यक्ति' ऐप जैसे प्रयास उनकी संवेदनशीलता और जनता के प्रति उनके समर्पण को दर्शाते हैं। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने अपने स्वागत भाषण में छत्तीसगढ़ पुलिस की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि 1 नवम्बर 2000 को राज्य की स्थापना के बाद से पुलिस बल ने हर मोर्चे पर साहस और दृढ़ता का परिचय दिया है। उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशनों, पुनर्वास नीतियों और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस जनता की सेवा में हर समय तत्पर रही है। राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में परेड द्वारा मुख्य अतिथि अमित शाह को सलामी दी गई। अरुण साव, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी, जवान और शहीद जवानों के परिजन बड़ी संख्या में समारोह में उपस्थित थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

नक्सलियों के गढ़ में अमित शाह बोले...इस तारीख से पहले नक्सल मुक्त होगा छत्तीसगढ़,नक्सली विकास से जुडें

छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद पर बड़ा बयान दिया है। अपने दौरे के पहले दिन आज यानी 15 दिसंबर को अमित शाह ने रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड मैदान में 'राष्टपति का निशान (प्रेसिडेंट्स कलर्स)' प्रदान किया। सशस्त्र बलों और पुलिस संगठनों को उनकी विशिष्ट सेवाओं और अनुकरणीय कर्तव्यनिष्ठा के लिए मिलने वाला राष्टपति का निशान (प्रेसिडेंट्स कलर्स)' देश का सर्वोच्च सम्मान है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 25 साल में ही छत्तीसगढ़ के जवानों ने राष्टपति का विश्वास जीता, जो बहुत बड़ा सम्मान का विषय है। देश के बहादुर बलों में एक छत्तीसगढ़ पुलिस भी शामिल है। गृह मंत्री आगे कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस समर्पण के साथ लोगों की सेवा कर रही है। वहीं नक्सलियों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। 31 मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ नक्सली मुक्त होगा।

छत्तीसगढ़ बना राष्ट्रपति फ्लैग हासिल करने वाला सबसे युवा राज्य

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित राष्टपति पुलिस कलर अवॉर्ड-2024 कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस फ्लैग प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस प्लाटून की सलामी ली, इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति पुलिस कलर ध्वज में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पहचान को दर्शाया गया है। इसमें बस्तर क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं को प्रतीकात्मक रूप से शामिल किया गया है।

देश की संक्षिप्त खबरें

फडणवीस कैबिनेट का हुआ विस्तार,39 मंत्रियों ने ली शपथ

मुंबई, 15 दिसम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र में आज देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट का विस्तार हो गया है. नागपुर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. जानकारी के मुताबिक इसमें 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली. सूत्रों की मानें तो जिस गृह विभाग पर शिवसेना नजर जमाए हुए थी, वो बीजेपी के खाते में रहेगा. साथ ही बीजेपी ने गृह, राजस्व, सिंचाई और शिक्षा विभाग अपने पास रखा है। सूत्रों के मुताबिक मंत्रियों का कार्यकाल सिर्फ ढाई साल का होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट विस्तार का कार्यक्रम नागपुर में हुआ. बीजेपी के खाते से 19 विधायक मंत्री बनें. इनके अलावा शिवसेना के कोटे से 11, जबकि एनसीपी कोटे से 9 विधायकों ने शपथ ली है. बताया जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद रविवार रात तक पोर्टफोलियो की लिस्ट भी सामने आ जाएगी।

आज ट्रैक्टर मार्च,18 को रोकेंगे ट्रेन,किसान नेता पंढेर ने किया आर-पार का ऐलान

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर 2024(ए)। दिल्ली कूच में विफलता पर किसान भड़क उठे हैं और ऐलान कर दिया है कि 16 दिसंबर को पंजाब को छोड़कर देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा, जबकि 18 दिसंबर को पंजाब में ट्रेन रोको अभियान चलाएंगे, जो कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चलाया जाएगा। इसको लेकर किसानों ने चेतावनी जारी कर दी है।

हां,हमने भी संविधान में संशोधन किए

» लोकसभा में बोले पीएम मोदी...
» डंके की चोट पर किए...क्योंकि...

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के संविधान की 75 वीं वर्षगांठ पर शनिवार को लोकसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जमकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संविधान के साथ खिलवाड़ करना, संविधान की स्पिरिट को तहस-नहस करना ये कांग्रेस की रगों में रहा है। हम भी सौदेबाजी कर सकते थे लेकिन हमने संविधान का रास्ता चुना। अटल जी ने सौदा नहीं किया। खरीद फरोक नहीं की थी। बाजार तब भी लगता था, खरीद फरोक तब भी होती थी, लेकिन उन्होंने (अटल बिहारी वाजपेयी) 13 दिन बाद इस्तीफ़ा दे दिया,क्योंकि वे संविधान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के प्रति समर्पित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने भी संविधान में सनशोधन किए हैं। जी हां, हमने भी किया है लेकिन संविधान के लिए, देश के लिए बदलाव किए. कांग्रेस के लिए सत्ता सुख और सत्ता भूख, यही एकमात्र इतिहास है,कांग्रेस का वर्तमान है. हमने भी संविधान संशोधन किए हैं. लेकिन देश की एकता के लिए, देश की अखंडता के लिए, देश के उज्वल भविष्य के लिए और संविधान की भावना के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ किए हैं। हमने संविधान में भी संशोधन किया, लेकिन यह देश की एकता और महिलाओं व ओबीसी को सशक्त बनाने के लिए किया।

उन्होंने कहा कि हम अपने संविधान संशोधनों को स्वीकार करते हैं, ये संशोधन सत्ता पर हमारी पकड़ बढ़ाने के लिए नहीं किए गए हैं। 'जुमला' कांग्रेस का पसंदीदा शब्द है, देश के इतिहास में सबसे बड़ा 'जुमला' 'गरीबी हटाओ' था जिसका इस्तेमाल उनकी चार पीढ़ियों द्वारा किया गया। क्या आपको देश में टॉयलेट बनाने की भी फुरसत नहीं मिली। आपने गरीबों को देखा है। अखबार में पढ़ा है। आपको पता ही नहीं कि गरीबी होती क्या है।

जिनको कोई नहीं पूछता उनको मोदी पूजता हैः पीएम

पीएम मोदी ने कहा, गरीबों के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया लेकिन 2014 देश के 50 करोड़ ऐसे नागरिक थे जिन्होंने बैंक की शक्ल नहीं देखी थी। 50 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोलकर के हमने बैंकों के दरवाजे गरीबों के लिए खोले। गरीबी हटाओ इसी कारण जुमला बनकर रह गया। गरीब को इस मुश्किल से मुक्ति मिले ये हमारा मिशन है. जिनको कोई नहीं पूछता उनको मोदी पूजता है।

जमीन कारोबारी को अपराधियों ने गोलियों से भूना

रांची, 15 दिसम्बर 2024(ए)। झारखंड की राजधानी रांची के नामकुम इलाके में रविवार की दोपहर जमीन-जायदाद के कारोबारी से जुड़े मधुसूदन राय उर्फ मधु राय को अपराधियों ने गोलियों से भून डाला। बीच सड़क पर इस वारदात को अंजाम दिया गया जिससे शहर में सनसनी फैल गई। बताया गया है कि मधुसूदन राय स्कूटी से नामकुम थाना क्षेत्र के राजाउलातू उनीडीह स्थित घर से स्कूटी पर कहीं जाने के लिए निकले थे। कवाली नामक जगह के पास अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। मधुसूदन राय सड़क पर गिर गए। इसके बाद उन्हें 12 गोलियां मारी गईं। अपराधी वारदात को अंजाम देकर आराम से भाग निकले। मधुसूदन राय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही घर के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर घटना के विरोध में सड़क जाम कर दी। पुलिस ने बहुत समझा-बुझाकर जाम खत्म कराया और मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रिम्स भेजा। रांची के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे। मामले की तहकीकात की जा रही है।

हत्या की वजह फिलहाल सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि यह कारोबारी प्रतिद्वंद्विता या किसी रंजिश का परिणाम है। मधुसूदन राय के खिलाफ भी थाने में कई मामले दर्ज हैं।

अंतिम चरण में आयोजन की तैयारी

» 40 करोड़ से ज्यादा लोगों के आने की संभावना
» 100 करोड़ श्रद्धालुओं की व्यवस्था में लगी सरकार

लखनऊ, 15 दिसम्बर 2024(ए)। महाकुंभ 2025 की तैयारियां अंतिम चरण में है. आयोजन पर मुख्यमंत्री योगी खुद नजर बनाए हुए हैं. उन्होंने कहा कि महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे. 45 दिनों में 40 करोड़ श्रद्धालु इस आयोजन में भाग लेंगे. 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन होगा. सीएम ने निर्देश देते हुए कहा है कि 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, लेकिन तैयारी 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए होगी. उन्होंने आगे कहा कि 29 जनवरी को 6 करोड़ श्रद्धालु स्नान करेंगे. मौनी अमावस्या पर मुख्य मुहूर्त में ये श्रद्धालु स्नान करेंगे. लेकिन तैयारी 10 करोड़ लोगों के लिए होगी.

आप की चौथी लिस्ट जारी, नई दिल्ली से चुनाव लड़ेंगे केजरीवाल

आतिशी को कालकाजी से उतारा

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर 2024(ए)। दिल्ली की चुनावी दंगल शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने आज यानी 15 दिसंबर को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए चौथी लिस्ट भी जारी कर दी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी विधानसभा सीट से और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ेंगे। चौथी लिस्ट में 38 प्रत्याशियों को टिकट दिया गया है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। आम आदमी पार्टी की चौथी लिस्ट में आज ही पार्टी में पार्षद पत्नी सहित भाजपा से आप में शामिल हुए रमेश पहलवान को कस्तूरबा नगर सीट से टिकट दी गई।

आम आदमी पार्टी की चौथी लिस्ट में विधायक मदनलाल का टिकट कटा है। वहीं, गैंगस्टर से संबंधों के आरोप में जेल में बंद उत्तम नगर से विधायक नरेश बाल्यान की पत्नी पोश उर्फ पूजा नरेश बाल्यान को टिकट दिया गया है। इससे पहले आपकी राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में बैठक में प्रत्याशियों के नाम पर लंबी चर्चा हुई। आम आदमी पार्टी की चौथी लिस्ट में विधायक मदनलाल का टिकट कटा है। वहीं, गैंगस्टर से संबंधों के आरोप में जेल में बंद उत्तम नगर से विधायक नरेश बाल्यान की पत्नी पोश उर्फ पूजा नरेश बाल्यान को टिकट दिया गया है। इससे पहले आपकी राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में बैठक में प्रत्याशियों के नाम पर लंबी चर्चा हुई। इसके बाद प्रत्याशियों की नई सूची पर मोहर लगा दी गई।

निलंबित रवींद्र यादव के घर से निकला काली कमाई का खजाना

गौतम बुद्ध नगर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में नोएडा विकास प्राधिकरण के निलंबित विशेष कार्याधिकारी रवींद्र सिंह यादव के खिलाफ विजिलेंस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। 18 घंटे की छापेमारी में नोएडा और इटावा स्थित ठिकानों से करोड़ों की संपत्ति और दस्तावेज बरामद हुए। यादव पर आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं।नोएडा सेक्टर-47 स्थित उनके तीन मंजिला मकान की वर्तमान कीमत लगभग 16 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मकान से 60 लाख रुपये के गहने और 2.5 लाख रुपये नकद बरामद हुए। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सामान की कीमत लगभग 37 लाख रुपये पाई गई। विजिलेंस टीम ने इटावा स्थित उनके स्कूल, एरिस्टोटल वर्ल्ड स्कूल, से जुड़े दस्तावेज भी जब्त किए। स्कूल की भूमि और इमारत का अनुमानित मूल्य 15 करोड़ रुपये बताया गया है। स्कूल में अत्याधुनिक सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग और उपकरणों की कीमत 2 करोड़ रुपये आंकी गई।

जांच के दौरान विजिलेंस को रवींद्र यादव और उनके परिजनों की विदेश यात्राओं के पासपोर्ट, कई बैंकों के खातों, बीमा पॉलिसियों, और निवेशों के दस्तावेज भी मिले। टीम ने एक दर्जन से अधिक जमीनों की खरीद से जुड़े कागजात भी बरामद किए, जिनकी गहन जांच जारी है।

संपादकीय

सभी पक्ष गंभीर पहलू पर विचार करें

यह बात शायद ही किसी के गले उतरेगी कि दोनों सदनों में संविधान के 75 साल पूरा होने के मौके पर दो-दो दिन की बहस या समाजवादी पार्टी को संभल के मुद्दे पर बोलने का मौका देना सरकार का झुकना है।संसद की कार्यवाही ना चलने देने के मुद्दे पर आखिरकार सरकार अपनी मनवाने में सफल रही। यह संभव हुआ, क्योंकि विपक्षी दलों के बीच रणनीति को लेकर बिखराव हो गया। अडानी और मणिपुर जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर बहस के लिए सरकार को मजबूर करने की कांग्रेस की प्राथमिकता से क्षेत्रीय दलों के मतभेद इतने गहराए कि वह अलग-थलग पड़ गई। उन दलों की अपनी प्राथमिकताएं हैं, जिन्हें सदन में उठाकर अपने समर्थक तबकों को वे संदेश देना चाहते हैं। वैसे भी किसी बड़े पूंजीपति के मुद्दे पर एक सीमा से ज्यादा जोर देना ज्यादातर दलों को अपने माफिक नहीं लगता। यह बात शायद ही किसी के गले उतरेगी कि दोनों सदनों में संविधान के 75 साल पूरा होने के मौके पर दो-दो दिन की बहस या समाजवादी पार्टी को संभल के मुद्दे पर बोलने का मौका देना सरकार का झुकना है। संविधान के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार को खतरा बताने की विपक्ष-खासकर कांग्रेस की रणनीति वैसे भी परवान नहीं चढ़ी है। हकीकत यह है कि संविधान को आरक्षण के समानार्थी बताते हुए इसके रक्षक के रूप में खुद को पेश कर विपक्ष ने भी इस मुद्दे के साथ न्याय नहीं किया है। पिछड़ी जातियों के प्रतिनिधित्व एवं पहचान के मुद्दे पर भाजपा को घेरना एक भटकी रणनीति साबित हुई है। इसीलिए इसका चुनावी लाभ भी ये दल नहीं उठा पाए हैं। चूंकि विपक्षी दल अपनी एकता के लिए बड़े साझा मकसद की तलाश नहीं कर पाए हैं, इसलिए संसदीय गतिरोध की रणनीति का जो हश्र हुआ, उसका अनुमान लगाया जा सकता था।बहरहाल, बड़ा सवाल यह है कि देश के सामने जो सबसे ज्वलंत मुद्दे हैं, संसद में उन ही बहस नहीं होगी, तो फिर प्रभावित एवं पीड़ित लोगों की निगाह में इस मंच का क्या महत्त्व रह जाएगा? संसद की प्रमुख भूमिका बेशक विधायी कार्यों को निपटाना है, मगर यह राष्ट्रीय चिंताओं और जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का मंच भी है। ऐसी अभिव्यक्तियों के अवसर को सीमित करना लोकतंत्र के लिए अच्छी खबर नहीं है। बेहतर होगा, सभी पक्ष फौरी हार-जीत की मानसिकता से उठ कर इस गंभीर पहलू पर विचार करें।

संसदीय गरिमा पर अविश्वास प्रस्ताव

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नोटिस

राज्यसभा में सभापति के खिलाफ विपक्ष खेमे ने अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। भारतीय संसद के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जहां राज्यसभा में किसी सभापति के खिलाफ अविश्वास का नोटिस आया हो। दरअसल, यह मौका इसलिए सामने आया, क्योंकि सभापति के सदन में रुख से सभी विपक्षी दल नाखुश थे। विपक्ष का आरोप है कि सभापति हमेशा सत्तारूढ़ खेमे का पक्ष लेते हैं और विपक्ष की आवाज दबाते हैं। विपक्ष आसन को निष्पक्ष देखना चाहता है, लेकिन पिछली लोकसभा के बाद जब 18वीं लोकसभा में भी राज्यसभा में चीजें नहीं बदलीं तो पिछले सत्र में प्रस्ताव लाने की चर्चा चलाकर विपक्ष ने कोई कड़ा कदम उठाने का संदेश देने की कोशिश की। संसद में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका तटस्थता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि संसदीय कार्यवाही निष्पक्ष और निष्पक्ष तरीके से संचालित हो। हाल ही में, विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव उठाया, जिसमें उन पर पक्षपात करने का आरोप लगाया गया। यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता के लिए प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं में निष्पक्षता बनाए रखने के महत्त्व को उजागर करती है। संसदीय कार्यवाही की तटस्थता बनाए रखने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका बहस में निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। पीठासीन अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि सभी सांसदों को, चाहे वे किसी भी पार्टी से सम्बद्ध हों, बहस में भाग लेने के समान अवसर दिए जाएँ। निर्णयों में निष्पक्षता- अध्यक्ष द्वारा किए गए निर्णय पक्षपातपूर्ण झुकाव के बजाय संसदीय प्रक्रियाओं पर आधारित होने चाहिए। अध्यक्ष को सरकार और विपक्ष के बीच संघर्षों में मध्यस्थता करनी चाहिए, शिष्टाचार बनाए रखते हुए रचनात्मक संवाद के लिए जगह बनानी चाहिए। एक तटस्थ पीठासीन अधिकारी संसद की अखंडता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है, लोकतांत्रिक बहस के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देता है। यदि

अध्यक्ष को तटस्थ माना जाता है, तो संसदीय प्रणाली में विश्वास मज़बूत होता है, जिससे स्वस्थ लोकतांत्रिक चर्चाओं को बढ़ावा मिलता है, जैसा कि यू.के. जैसे परिपक्व लोकतंत्रों में देखा जाता है।

संसदीय संस्था की वैधता की रक्षा के लिए पीठासीन अधिकारी को हमेशा निष्पक्षता का प्रदर्शन करना चाहिए। यदि अध्यक्ष को पक्षपाती माना जाता है, तो इससे संसदीय कार्यवाही में विश्वास कम हो सकता है और विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम हो सकता है। अध्यक्ष के कार्यों में पक्षपात की धारणा के परिणामस्वरूप जनता में यह धारणा बन सकती है कि संसद को एक पार्टी के हितों की सेवा के लिए हेरफेर किया जा रहा है। पक्षपातपूर्ण अध्यक्ष संसद के भीतर राजनीतिक विभाजन को बढ़ा सकता है, जिससे सरकार और विपक्ष के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। ऐसे परिदृश्य में, सरकार और विपक्ष अध्यक्ष के निर्णयों को चुनौती देने के लिए चरम रणनीति का सहारा ले सकते हैं, जिससे संसद में अधिक शत्रुतापूर्ण और कम उत्पादक वातावरण बन सकता है। अध्यक्ष में कथित पक्षपात संसद की संस्था को ही कमजोर करता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। यदि अध्यक्ष पक्षपातपूर्ण है, तो संसद के भीतर जवाबदेही के तंत्र विफल हो सकते हैं, जिससे अनियंत्रित कार्यकारी शक्ति की अनुमति मिलती है। यदि अध्यक्ष को किसी एक राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करते हुए देखा जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक संस्थाओं के प्रति जनता का मोहभंग हो सकता है। पीठासीन अधिकारी की भूमिका के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित करने से निर्णय लेने में निरंतरता और निष्पक्षता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यू.के. संसद में, अध्यक्ष एक औपचारिक आचार संहिता का पालन करता है जो तटस्थता सुनिश्चित करता है, पक्षपात पर चिंताओं को दूर करने और संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद करता है।

पीठासीन अधिकारियों के लिए लंबे कार्यकाल सुनिश्चित करने से उन्हें अपनी नेतृत्व भूमिकाओं में विश्वास, स्थिरता और तटस्थता बनाने की अनुमति मिल सकती है। जर्मन बुंडेस्टैग अध्यक्ष का निश्चित कार्यकाल दीर्घकालिक नेतृत्व स्थिरता सुनिश्चित करता है, राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान भी पक्षपातपूर्ण निर्णय लेने की धारणा को कम करता है। अध्यक्ष के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र निरीक्षण तंत्र शुरू करने से अधिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है और पक्षपातपूर्ण कार्रवाइयों को रोका जा सकता है। पीठासीन अधिकारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें संसदीय कार्यवाही की जटिलताओं को निष्पक्ष रूप से संभालने के लिए आवश्यक कौशल से लैस कर सकते हैं। निष्पक्ष निर्णय लेने और संघर्ष समाधान पर केंद्रित नेतृत्व प्रशिक्षण अध्यक्ष को तटस्थता बनाए रखते हुए राजनीतिक दबावों को बेहतर ढंग से नेविगेट करने में मदद कर सकता है। संसदीय समितियों और चर्चाओं में द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देने से निर्णय लेने के लिए अधिक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है। संसदीय समितियों के भीतर अंतर-दलीय संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करने से मतभेदों को दूर करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकार और विपक्ष के बीच मध्यस्थता में अध्यक्ष तटस्थ रहें।

संसदीय कार्यवाही की तटस्थता सुनिश्चित करने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए, अध्यक्ष के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना, द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देना और स्पष्ट दिशा-निर्देशों और लंबे कार्यकाल के माध्यम से निष्पक्ष नेतृत्व सुनिश्चित करना आवश्यक है। दरअसल, इसके जरिए विपक्ष कहीं न कहीं संसद के दोनों सदनों में आसन को एक संदेश देना चाह रहा है कि अगर आसन निष्पक्ष नहीं दिखता है तो विपक्ष अपने संवैधानिक अधिकारों को इस्तेमाल करने में नहीं हिचकिचाएगा। पिछले सत्र में लोकसभा स्पीकर को लेकर भी राजनीतिक गलियारे में ऐसी चर्चा थी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता संस्कृति और सेहत का बचाव

भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में पर्वत देवता के रूप में पूजे जाते रहे हैं, लेकिन पहाड़ों के बेतहाशा दोहन से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। हम भूल गए कि पहाड़ों के संरक्षण, सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है।जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल के अनुसार 84 प्रतिशत स्थानीय पर्वतीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र दशक 2021-30 प्रकृति की गिरावट रोकना और वापस लाना दस साल की कोशिश है। जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर धरती, पर्वत और हवा पर पड़ा है। धरती तेजी से गर्म हो रही है। मौसम असंतुलित हो गया है। प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा देखी जाने लगी हैं। पर्वतों का दोहन इतना अधिक किया गया कि दूसरी तमाम तरह की प्राकृतिक दुर्घटनाएं और समस्याएं आए दिन होने लगी हैं। पर्वतों के दोहन को बचाने और पर्वतों के महत्त्व को समझाने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस' मनाने की घोषणा की। हर साल 11 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाए जाने का मकसद पर्वतों का संरक्षण, सुरक्षा और उनके दोहन को रोकना है।जाहिर है पर्वत और इंसान का रिश्ता बहुत पुराना है। उतना पुराना जितना मानव सभ्यता। धरती का 27 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ों से ढका हुआ है। दुनिया के पंद्रह प्रतिशत आबादी का घर पहाड़ हैं, और दुनिया के लगभग आधे जैव विविधता वाले हॉटस्पाट की मेजबानी भी पहाड़ करते हैं। दुनिया की आधी आबादी के रोजमर्रा की जिंदगी बसर के लिए पानी उपलब्ध कराने का कार्य पहाड़ करते हैं। कृषि, बागवानी, पेय जल, स्वच्छ ऊर्जा और दवाओं की आपूर्ति पहाड़ों के जरिए होती है। दुनिया के अस्सी प्रतिशत भोजन की आपूर्ति करने वाली बीस पौधों की प्रजातियों में से छह की उत्पत्ति और विविधता पहाड़ों से जुड़ी है।आलू, जौ, मक्का, टमाटर, ज्वार, सेब जैसे उपयोगी आहारों की उत्पत्ति पहाड़ हैं। हजारों नदियों के स्रोत पहाड़ हैं। भारत में नदियों को ही पूजा नहीं जाता, बल्कि अनेक पहाड़ों की पूजा भी की जाती है। तमाम चमत्कारिक घटनाएं पहाड़ों से जुड़ी हैं। तमाम तरह की सामाजिक,धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पहाड़ों से जुड़ी हैं। इसलिए पहाड़ों का संरक्षण हमारा कर्त्तव्य है। सृष्टि-उत्पत्ति के साथ सागर और पहाड़, दोनों मानवता के विकास के आधार रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे नई सभ्यता और संस्कृति के साथ विज्ञान का विकास होता गया वैसे-वैसे पहाड़ और सागर, दोनों प्रदूषित किए जाने लगे। आज हालत यह हो गई है कि पहाड़ और सागर, दोनों का वैभव खत्म होता जा रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक जलवायु गर्म होती जा रही है, पर्वतीय ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे जैव विविधता पर ही असर नहीं पड़ रहा, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता और औषधियां भी लुप्त हो रही हैं।पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ते प्रदूषण की वजह से खतरे में है यानी दुनिया भर में पर्वतों को संरक्षण देने की जरूरत है। पर्वत हमारे लिए कितने उपयोगी हैं, इसे वह समुदाय सबसे ज्यादा जानता है जिसकी रोजमर्रा की जिंदगी की हर कवायद पर्वतों से जुड़ी है। यूं तो पहाड़ों के संरक्षण को लेकर विश्व का ध्यान 1992 में गया जब पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र संघ सम्मेलन में एजेंडा 21 के अध्याय 13 नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधन सतत पर्वतीय विकास' पर जोर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाने से पिछले दस सालों में पर्वतीय पर्यटन तेजी से बढ़ा है लेकिन इसका नुकसान भी देखा गया है। पर्यटकों की लापरवाही से पर्यावरण का नुकसान हुआ और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के कमजोर पडने का खतरा बढ़ा है।पहाड़ी इलाकों के निवासियों को रोजगार जंगल और पहाड़ से मिलता है। खासकर महिलाओं के लिए पहाड़ किसी खेती से कम नहीं हैं। युवाओं के लिए पर्वतीय जैव विविधता का संबंध आज अधिक विसनीय है क्योंकि कलाकृतियों के संरक्षण, मूर्तिकला और बेहतर स्वास्थ्य पहाड़ों के स्वच्छ पर्यावरण से ताल्लुक रखता है। आजीविका और प्राकृतिक आहार पहाड़ों से जितना अच्छा मिलता है, उतना शायद और कहीं से नहीं मिलता। ईंधन, औषधियों और लता वाली तरकारियां पहाड़ के दरे में उगती हैं।तमाम जीव-जंतुओं के आवास स्थल पहाड़ हैं। पहाड़ों के दोहन या क्षरण का मतलब जीव-जंतुओं,बहुमूल्य वनस्पतियों, औषधियों और खनिज-रत्नों से महरूम होना है। हिमाचल प्रदेश में 11-12 जिलों में कुदरत के कहर से पहाड़ का पोर-पोर धंस रहा है। असम, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी पहाड़ों के साथ खूब अनर्थ हुआ है। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार, पर्यावरण संरक्षक और जनता को माफिया के खिलाफ आगे आना होगा। धरती पर रहने वाले हर इंसान का पहाड़ों से रिश्ता रहा है। पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत, तीनों का बचाव होगा।

-अखिलेश आर्येन्दु-

दिल्ली की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में,जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा...

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है।

दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है।

भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है।

भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है।

निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मार्लेना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है। आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया। लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी।

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका दिल्ली में व्यापक जनाधार रहा है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में भटकती रही है, अपनी स्वतंत्र पहचान को खोती रही है। आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे वह कैसे जीत को सुनिश्चित कर सकती है? कांग्रेस की एक ओर बड़ी विडम्बना है कि वह जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाय मोदी-विरोध का ही राग अलापती रही है। मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो इसके केन्द्रीय नेतृत्व एवं रणनीतिकारों पर तरस आती है। जबकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए उसके जमीनी नेता व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इन स्थितियों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई करिश्मा या चमत्कार कर पायेगी, इसमें संदेह ही है।

-ललित गर्ग-

कविता
करूं आरती भोलेनाथ की

घटती-घटना
शामलाल कौशल
रोहतक हरियाणा

करूं आरती भोलेनाथ की,
तन-मन एक रूप हो जाए,
यहां -वहां हर पल मेरे भोले, जीवन का नया राग सुनाएं।
करूं आरती ...
जन-जीवन सबका हर्षाए,
दुखों का संकट कभी ना आए,
भोले तेरी भक्ति में सबका,
पल-पल जीवन बीता जाए।
करूं आरती भोलेनाथ...
बिन भोले कोई रास न आए,
मन बावरा हो अलसाए,
भोले के आने की आहट,
मन में नई चेतना लाए।
करूं आरती ..
डगर-डगर सब भोले की हो,
कदम-कदम सब बढ़ते जाएं,
प्रेम-मगन सारे हो जाएं,
चंदा-तारे भी हर्षाएं।
करूं आरती ....
मन में संशय कभी ना आए,
खुशियों से तन-मन भर जाए,
भोलेनाथ का नाम जुबां पर,
पल-पल,छिन-छिन आता जाए।
करूं आरती .....

सरकार ओसीसीआरपी की साख पर सवाल उठा रही

कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर आरोप है कि वे देश में विकास को बाधित कर रहे हैं, निवेश रोकना चाहते हैं, देश को बदनाम कर रहे हैं आदि आदि। सवाल है कि क्या गौतम अडानी के खिलाफ कोई बात कहना देश के खिलाफ बोलना हो गया? पहले तो भाजपा और केंद्र सरकार के इकोसिस्टम ने यह नैरेटिव बनाया कि सरकार के खिलाफ या नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलना देश के खिलाफ बोलना होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री और सरकार को ही देश बना दिया। अब क्या नरेंद्र मोदी वाली स्थिति ही गौतम अडानी की भी देश में बना रहे है, जो उनके खिलाफ बोलने को भी देश के खिलाफ बोलना कहा जाएगा?इसी तरह दूसरा सवाल यह है कि ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट यानी ओसीसीआरपी की किसी रिपोर्ट का हवाला देना देश विरोधी कैसे हो गया? यह संस्था तो पूरी दुनिया में भ्रष्टाचार और संगठित अपराध के मामले खोलती है। इसका मतलब है कि संस्था भ्रष्टाचार विरोधी है। तो भ्रष्टाचार विरोधी संस्था भारत विरोधी संस्था कैसे हो गई? संस्था की रिपोर्ट भ्रष्टाचार के खिलाफ है और हम कह रहे हैं कि भारत के खिलाफ है। भाजपा का राहुल गांधी के ऊपर सबसे ज्यादा हमला इस बात को लेकर है कि उन्होंने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का बार बार हवाला दिया है। इस संस्था ने पेगासस से जासूसी का मामला खोला था और अडानी समूह द्वारा शेयर बाजार में हेराफेरी का भी खुलासा किया था।

-हरिशंकर व्यास-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

संभाग में शीतलहर जारी : अंबिकापुर में 3.7,बलरामपुर में 2.4 डिग्री तापमान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पिछले 6 दिनों से सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तर की ओर से आ रही शुष्क हवाओं के कारण तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। ठंड के कारण लोग दिन से लेकर रात तक स्वेटर, जैकेट, टोपी, मफलर पहने नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि उत्तर की ओर से आ रही शुष्क हवाओं के कारण तापमान हर दिन गिरता जा रहा है। यही वजह है कि शनिवार को अंबिकापुर का तापमान 3.7 डिग्री पहुंच गया। एक दिन पहले यह 4.9 डिग्री था। यानि 24 घंटे के भीतर 1.2 डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वहीं मैनपाट की बात करें तो वहां का तापमान 2 डिग्री से भी नीचे चला गया है। सैलानी वहां ठंड का मजा लेने लगातार पहुंच रहे हैं। दिसंबर की ठंड ने सरगुजा वासियों को कंपकपा दिया है। मौसम विभाग का कहना है कि दिसंबर माह में इससे पहले वर्ष 2011 में करीब इतनी ही ठंड पड़ी थी। 13 वर्ष बाद अंबिकापुर में दिसंबर के पूर्वार्द्ध में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री के नीचे पहुंचा है। यदि बलरामपुर जिले की बात करें तो प्रदेश में सबसे अधिक ठंड बलरामपुर में पड़ रही है। शनिवार को यहां का तापमान गिरकर 2.4 डिग्री पहुंच गया है। जबकि शुक्रवार को यहां का तापमान 2.9 डिग्री दर्ज किया गया था।

बलरामपुर के पाट क्षेत्रों की बात करें तो वहां का पारा भी 2 डिग्री से नीचे चला गया है। सरगुजा जिले के मैनपाट व बलरामपुर के सामरीपाट, सीतारामपुर पाट, लहसूनपाट व पवई पाट इलाके का पारा 2 डिग्री से नीचे चला गया है। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग घरों में ही दुबके रह रहे हैं। अत्यधिक ठंड की वजह से वहां का पारा जमाव बिंदू तक पहुंच गया है। इन इलाकों में पाला भी पड़ रहा है। यही वजह है कि सुबह-सुबह पुआल पर पाला जम रहा है। वहीं पेड़-पौधों की पत्तियों पर ओस की बूंदें भी जमने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट का कहना है कि नवंबर में विक्षोभ की अनुपस्थिति के कारण एक लंबे अरसे बाद इस वर्ष निर्बाध रूप से उत्तरी हवाओं का प्रभाव दिखा था। इससे सरगुजा में नवंबर में ही शीतलहर की स्थिति निर्मित हुई थी। लेकिन खाड़ी में हुई हलचल और उत्तर भारत मे पछुआ की सक्रियता के कारण नियमित उत्तरी शुष्क हवा के बाधित होने से न्यूनतम तापमान में उछाल आया। एक बार फिर विक्षोभों की ऊर्जा कमजोर पड़ने से हवाओं का प्रवेश उत्तर की ओर से होने लगा है। ऐसे में न्यूनतम तापमान में फिर से गिरावट दर्ज की जा रही है। यह गिरावट लगातार जारी है।

अंबिकापुर में पिछले 7 दिनों का तापमान

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
15 दिसंबर	24.7	3.7
14 दिसंबर	24.4	4.9
13 दिसंबर	24.4	5.9
12 दिसंबर	23.7	6.0
11 दिसंबर	23.3	6.9
10 दिसंबर	26.2	9.7
9 दिसंबर	26.2	12.5

अविभाजित सरगुजा जिले का तापमान

सूरजपुर- 4.2
बलरामपुर- 2.4
अंबिकापुर- 3.7

17 दिसंबर तक जारी रहेगा असर

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट का कहना है कि सरगुजा संभाग में ठंड का असर 17 दिसंबर तक जारी रहेगा। संभाग में शीतलहर का अर्लट जारी किया गया है। उत्तरी दिशा से शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। इसलिए हर दिन न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा रही है। 17 दिसंबर के बाद थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। इस दौरान पारे में 1-2 डिग्री ही बढ़ोतरी की बात कही जा रही है।

अनोखी सोच संस्था के सदस्यों ने वृद्ध का किया अंतिम संस्कार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पुत्र के पास पिता के अंतिम संस्कार के लिए रुपए नहीं थे। इसकी जानकारी होने पर अनोखी सोच संस्था के सदस्यों ने विधि विधान से अंतिम संस्कार किया। रमेश सिंह उम्र लगभग 65 वर्ष संकटमोचन हनुमान मंदिर के पास किराए के मकान में अपने पुत्र के साथ रहते थे। बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। उनका परिवार निर्धन है एवं उनके निजी रिश्तेदार यहां उपलब्ध नहीं थे। अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा इनके अंतिम संस्कार हेतु संस्था के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहू से सम्पर्क किया। इसके बाद अनोखी सोच संस्था के सदस्यों ने आवश्यक सामग्री जुटाकर इनका अंतिम संस्कार गंगापुर स्थित मुक्तिधाम में किया। इस पुनीत कार्य में संस्था के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहू के साथ अभय साहू, पंकज चौधरी, मोती ताम्रकर, संजु चटर्जी, सुनिल साहू, विकाश मिश्रा, सत्यम, देव कुमार, अनोखी सोच द्वारा निर्धन व्यक्ति का अंतिम संस्कार कराया गया। इस पुनीत कार्य में संस्था के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहू के साथ अभय साहू, पंकज चौधरी, मोती ताम्रकर, चन्द्र प्रताप सिंह, संजु चटर्जी, सुनिल साहू, विकाश मिश्रा, सत्यम, देव कुमार, समित मुंडा, गोपी साहू, विकाश साहू कार्तिकेय, राहुल, अमित जायसवाल, नितेश, सचिन, रमेश साहू, लरंग मुंडा, ननकू प्रदीप, सावन, मिथलेश, अजय, बनाफर केरकेट्टा खुर्रम, संजय साहू, विकास शामिल रहे।

मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पीजी कॉलेज ग्राउंड में निःशुल्क प्रकृति परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आयुष विभाग सरगुजा अंतर्गत पीजी कॉलेज ग्राउंड में जिला आयुष अधिकारी डॉ. शशिबाला जायसवाल के मार्गदर्शन में निऱ्शुल्क प्रकृति परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के जिला समन्वयक डॉ. संतोष सिंह एवं डॉ. सुनील मिंज द्वारा फिट कॉप फिट सिटी अभियान अंबिकापुर एवं पीजी कॉलेज के छात्रों को प्रकृति एवं प्रकृति परीक्षण कराने का महत्तव बताकर, प्रकृति एप्लीकेशन को हम कैसे उपयोग कर प्रकृति परीक्षण करा सकते हैं उसके बारे में जानकारी बताई गई। डॉ. सिंह द्वारा बताया गया कि इस अभियान के माध्यम से देश के समस्त लगभग एक करोड़ परिवारों का आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुसार वात पित्त कफ, त्रिदोष प्रकृति का आकलन आयुष मंत्रालय

द्वारा बनाए गए मोबाइल एप्लीकेशन प्रकृति परीक्षण एप्लीकेशन माध्यम से प्रकृति परीक्षण किया जाएगा। इस एप्लीकेशन के माध्यम से 22 प्रश्न नागरिक को देख कर, पूछ कर उनके ताशीर जानने का प्रयास किया जाता है प्रकृति परीक्षण एप्लीकेशन द्वारा आयुर्वेद में वर्णित प्रकृति परीक्षण से व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संरचना एवं स्वभाव को समझने में सहायक होते हैं। जिससे व्यक्ति के शरीर में रोगों के प्रभाव को जानने में तथा औषधियों के चयन में सुविधा होती है। व्यक्ति के प्रकृति के अनुसार ही उसके स्वस्थ रहने हेतु, दिनचर्या एवं ऋतुचार्य निर्धारित होता है। इस एप्लीकेशन से हम गैर संचारी रोगों के रोकथाम करने में सफल होंगे और यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक क्रांति की तरह है,जिसमें सभी को वैलनेस की ओर जाने को प्रेरित करता है अत- सभी जो 18 वर्ष से 70 वर्ष तक के आयु के नागरिक है उनको स्वास्थ्य के संकल्प और आयुर्वेद को आधार मानकर अपनी स्व स्फूर्ति से प्रकृति परीक्षण करवाने के लिए आवहन किए हैं।

आयुष विभाग की टीम के माध्यम से सभी का प्रकृति परीक्षण किया गया7 प्रकृति परीक्षण टीम में डॉ संध्या पाण्डेय, डॉ शोभन पाठक,डॉ मनीष मिंज डॉ कृष्ण साहू,डॉ अतुल सिंह, डॉ अनीता गुप्ता एवं फिट कॉप फिट सिटी अभियान के प्रशिक्षक, राजेश सिन्हा, विनीत मिश्रा, राजेश सोनी,मदन जैन,निशांत पाण्डेय, शाह आलम, आदि सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

बिलासपुर से औरंगाबाद जा रही स्विफ्ट कार डिवाइडर से टकराई,तीन घायल

» पिता की डेड बॉडी लेकर बिलासपुर से औरंगाबाद अम्बा जा रहे थे अंतिम संस्कार के लिए...

- संवाददाता -
उदयपुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

दिसम्बर का महीना और सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला उदयपुर थाना क्षेत्र में यहां थमने का नाम नहीं ले रहा। सुबह सुबह पांच बजे एक स्विफ्ट कार उदयपुर शहर के शुरुआत होने वाले डिवाइडर से टकरार तीन लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय नागरिकों के सहयोग से सभी 3 घायलों को तत्काल सीएचसी उदयपुर उपचार हेतु दाखिल कराया गया है।

स्विफ्ट कार क्रमांक सी.जी. 10 एन.ए. 4696 में सवार होकर अंकित सिन्हा अपनी पत्नी बेटी और सास के अम्बा औरंगाबाद बिहार के लिए रवाना हुए थे । इनके आगे आगे एम्बुलेंस में अंकित के ससुर का शव को लेकर उनका शाला शुभम जा रहा था।

उदयपुर शहर की शुरुआत में जहां डिवाइडर चालू होता है उसे डिवाइडर पर अंकित की गाड़ी डिवाइडर से सीधी टकरा गई । डिवाइडर में टकराने से अंकित के जबड़ा और सीना में गंभीर चोट आई है । कार में सवार अंकित की पत्नी को पीठ और हाथ पैर में चोट है साथी अंकित के सास सुजाता उम्र 42 वर्ष को सिर व पैर में चोटें आई । कार में सवार छोटी बच्ची को किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर दल बल सहित मौके पर पहुंची और घायलों की मदद की साथ ही सडक़ पर ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित किया। सडक़ दुर्घटना में घायल तीनों को जिला चिकित्सालय के लिए प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया है। सडक़ दुर्घटना में ड्राइवर को छोटे गंभीर भाई है परंतु ध्यान देने वाली बात यह भी है कि डिवाइडर के सारे लाइट कल ही बंद हुए थे और आज सुबह यह सडक़ दुर्घटना हो गई जिससे स्थानीय व्यापारियों एवं ग्रामीणों में काफी रोष है.

सुशासन दिवस पर सरगुजा पुलिस ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन को किया सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राज्य शासन के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर सरगुजा पुलिस द्वारा शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन को सम्मानित कया गया। रक्षित केंद्र के सभाकक्ष में शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों की पूछपरख सहित उनकी समस्याओं पर तत्काल निराकरण करने विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिले के शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों को आमंत्रित किया गया था। जिले के कुल 12 शहीद परिवारों से आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर विलास भोस्कर एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने स्वयं व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर वर्तमान परिस्थितियों के बारे मे पूछपरख की साथ ही घर परिवार के सदस्यों का कुशल क्षेम भी लिया गया। शहीद परिवारों को किए गए स्वत्वों के भुगतान की जानकारी शहीद पुलिस कर्मियों के परिवारजनों से प्राप्त की गई, जिसके संबंध में शहीद पुलिस कर्मियों के परिवारजनों द्वारा किसी भी प्रकार के स्वत्वों का शेष नहीं होना बताया गया, साथ ही कोई भी प्रकार की समस्या नहीं होने की जानकारी से पुलिस अधीक्षक सरगुजा को अवगत कराया गया। 12 शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारजनों को सरगुजा भवन अंबिकापुर में स-सम्मान दोपहर में भोजन कराकर ÷राष्ट्रपति निशान अलंकरण÷ समारोह में सम्मिलित होने हेतु लाइजनिंग अधिकारियों के साथ बस द्वारा सुरक्षित रायपुर हेतु रवाना किया गया।

अमेरा परियोजना के विस्तार के लिए ग्रामीणों नहीं देंगे भूमि

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत परसोडीकला लखनपुर में अमेरा परियोजना के विस्तार हेतु ग्राम परसोडीकला और कटकोना की भूमि को लिया जाना है। इन्ही विषयों को लेकर रविवार को बैठक अयोजित किया गया था, पिछले कुछ दिनों पहले ग्राम के निस्तारी तालाब को एसईसीएल द्वारा रात में मनमाना तरीके से चोरी छिपे जेसीबी से खोदना चालू कर दिया था जिसे लेकर खूब विवाद भी हुआ था और तहसीलदार को बुला कर ग्रामीणो की उपस्थित में आवेदन भी दिया गया था।

इन्ही विषयों को लेकर स्थाई समाधान हेतु रविवार कोर्ट के मार्गदर्शन हेतु कोर्ट के विख्यात वकील डॉ. जेपी श्रीवास्तव और रणविजय सिंह देव के उपस्थिती में ग्रामवासियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में भूमि अधिग्रहण, पेशा कानून पर चर्चा हुआ सभी लोगों ने एकमत होकर जमीन किसी भी स्थिति में नहीं देने का निर्णय लिये। आज तक ग्राम पंचायत परसोडीकला हो या कटकोना के किसी भी सरपंच द्वारा हां ग्रामवासियों द्वारा खदान खोलने या विस्तार हेतु सहमति नहीं दी गई है। इसके बावजूद एसईसीएल के दबाव में आकर प्रसाशन के संरक्षण में किसानों के भूमि से सटाकर खुदाई कार्य चालू कर दिया था जिससे किसानों का भारी नुकसान हुआ है और मेड टूटकर खदान की ओर चला गया हैं। इन सभी विषयों को लेकर ग्रामीण एक मत होकर ज़मीन नहीं देने का और कोर्ट का रुख अपनाने का निर्णय लिए। बैठक में पूर्व जनपद सदस्य धर्मेन्द्र कुमार झारिया, सरपंच नंदलाल सिंह, उपसरपंच गोवर्धन राजवाड़े, अदवंस राजवाड़े , सुनील राजवाड़े, हलेश्वर राजवाड़े, जगत राम, मुनेश्वर, सोना बाई , कांत राजवाड़े, दिनेश राजवाड़े, अदिबल शिवपाल राजवाड़े सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

तम्बाकू सेवन से घर वाले व आस पास के लोग भी होते हैं प्रभावित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नशा एवं तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास हेतु भावी शिक्षक - शिक्षिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता जिला नोडल अधिकारी एचआईवी/एड्स, क्षयरोग एवं राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम प्रभारी सरगुजा, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सह निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी अम्बिकापुर,अतिथि रणधीर सिंह प्रयास सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा निबंध, रंगोली,पेंटिंग प्रतियोगिता एवं कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश भगवान एवं मां सरस्वती के पूजा अर्चना माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात् शिक्षा महाविद्यालय के प्राध्यापकों के द्वारा अतिथियों का स्वागत सम्मान तिलक एवं बैच लगाकर तथा पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान सरगुजा ने कहा कि सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में स्वैच्छिक संगठनों, एवं सम्बन्धित विभागों के समन्वय से सरगुजा जिले को नशा मुक्त एवं तम्बाकू मुक्त बनाने हेतु निरंतर हस्तक्षेप किए जा रहे हैं।पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भावी शिक्षक - शिक्षिकाओं को व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण घटक संचार,संचार के

प्रकार,संचार के माध्यम, संचार के महत्व पूर्ण तथ्य,प्रभावी संचार,संचार प्रक्रिया, नेतृत्व के संबंध में समझ विकसित किया गया। मुख्य अतिथि डाक्टर शैलेन्द्र गुप्ता अपने उद्बोधन एवं पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं तम्बाकू के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार पूर्वक समझ विकसित किया गया साथ ही कोटपा एक्ट के प्रावधानों के बारे में भावी शिक्षक - शिक्षिकाओं को अवगत कराया गया। नशा त्यागें ज़िन्दगी नहीं।

तम्बाकू सेवन से तम्बाकू सेवन करने वाले ही नहीं बल्कि उनके परिवार एवं आस -पास के लोग भी विभिन्न प्रकार के बिमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। जिससे देश की उत्पादकता एवं विकास प्रभावित होता है। अतः हम सभी को तम्बाकू के विभिन्न उत्पादों का सेवन लोग न करें, इसके लिए जागरूक करना होगा। निबंध, रंगोली एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता में सहभागी प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र अतिथियों के द्वारा प्रदाय कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य ने कहा कि आज के कार्यक्रम की सार्थकता तब सिद्ध होगी जब हम सभी स्वयं जागरूक बने एवं अपने आस पास के समुदाय को नशा एवं तम्बाकू सेवन नहीं करने हेतु जागरूक करें।साथ ही अतिथियों, प्राध्यापकों एवं भावी शिक्षक -शिक्षिकाओं का सहृदय आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक पूजा दुबे, सुमन पाण्डेय, रानी पाण्डेय,चन्द सिंह,निरू त्रिपाठी, श्वेता तिवारी संगीता श्रेष्ठ, सीता मिश्रा एवं चांदनी सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

CMYK

ईरान में बिना हिजाब के ऑनलाइन इवेंट में गा रही थी सिंगर,पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,15 दिसम्बर 2024। ईरान में यूट्यूब सिंगर को बिना हिजाब पहने कॉन्सर्ट करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। ईरानी अधिकारियों ने एक महिला सिंगर को गिरफ्तार किया है, जिसने YouTube पर वर्चुअल कॉन्सर्ट किया था। उनके वकील मिलाद पनाहीपुर के अनुसार, परस्तू अहमदी को शनिवार को ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 280 किमी दूर माजंदरान प्रांत के सारी शहर में हिरासत में लिया गया था।

उनकी गिरफ्तारी गुरुवार को उनके कॉन्सर्ट को ऑनलाइन पोस्ट करने के बाद हुई, जहां उन्हें चार मेल सिंगर्स के साथ बिना आस्तीन की कॉलर वाली ब्लैक ड्रेस पहने खुले बालों में प्रदर्शन करते देखा गया था। कॉन्सर्ट को वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर 1.5 मिलियन से अधिक बार देखा गया है।

सोशल मीडिया पर महिला ने किया पोस्ट

महिला का नाम सुश्री अहमदी बताया जा रहा है, उन्होंने अपनी सिंगिग को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी लिखा। उन्होंने लिखा, %मैं परस्तू हूं, एक लड़की जो उन लोगों के लिए गाना चाहती है जिनसे मैं प्यार करती हूं। यह एक ऐसा अधिकार है जिसे मैं नजरअंदाज नहीं कर सकती। अहमदी ने आगे लिखा, मैं उस भूमि के लिए गाती हूं जिसे मैं पूरी लगन से प्यार करती हूं। यहां, हमारे प्यारे ईरान के इस हिस्से में, जहां इतिहास और हमारे मिथक आपस में जुड़े हुए हैं , इस काल्पनिक संगीत कार्यक्रम में मेरी आवाज़ सुनें और इस खूबसूरत मातृभूमि की कल्पना करें।

बिना दर्शकों के आयोजित किया गया ये कार्यक्रम

ईरान में शूट किया गया यह संगीत कार्यक्रम दर्शकों के बिना आयोजित किया गया था। अहमदी और उनके चार सदस्यीय सहायक दल ने एक पारंपरिक कारवांसेराई परिसर में एक मंच के बाहर प्रस्तुति दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, वकील ने यह भी पुष्टि की कि दो पुरुष संगीतकारों, सोहेल फागीह नासिरी और एहसान बेराघदार को उसी दिन तेहरान में गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद के वर्षों में ईरानी कानून द्वारा हिजाब को अनिवार्य कर दिया गया था।

मैंगो फैशन टाइकून इसाक एंडिक की दुर्घटना में मौत,पहाड़ी से फिसला पैर,150 मीटर नीचे गिरे

बार्सिलोना,15 दिसम्बर 2024। स्पैनिश फैशन कंपनी मैंगो के संस्थापक इसाक एंडिक की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। कंपनी ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस खबर की पुष्टि करते हुए मैंगो के सीईओ टोनी रुइज ने एक बयान में एंडिक को श्रद्धांजलि दी और कंपनी में उनके योगदान के बारे में बताया। बयान में कहा गया है कि एंडिक ने अपना जीवन मैंगो को समर्पित कर दिया और अपनी रणनीतिक दृष्टि, अपने नेतृत्व में अटूट प्रतिबद्धता की बदौलत एक अमिट छाप छोड़ी।

150 मीटर की चट्टान से गिर गए

मैंगो इसाक एंडिक इस्तांबुल में जन्मे थे और उन्होंने फैशन साम्राज्य मैंगो की स्थापना की थी। वह वह 71 वर्ष के थे। उनकी मौत एक पहाड़ी पर पैर फिसलने से हुई है, वह काफी नीचे जा गिरे थे। वह अपने रिश्तेदारों के साथ बार्सिलोना के पास मोंटसेराट गुफाओं में पैदल यात्रा कर रहे थे, तभी वह फिसल गए और 150 मीटर की चट्टान से गिर गए, जहां उनकी मौत हो गई।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज जताया दुख

कंपनी के सीईओ ने कहा कि उनका जाना एक बड़ा खालीपन छोड़ गया है लेकिन हम सभी, किसी न किसी तरह से, उनकी विरासत और उनकी उपलब्धियां हमें जोड़कर रखेंगी। आगे कहा कि यह हम पर निर्भर है कि यह सुनिश्चित करें कि मैंगो वैसी बनी रहे जिसे पर इसाक ने बनाया था। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने भी मैंगो के संस्थापक के निधन पर शोक व्यक्त किया।

इंजीनियरिंग कॉलेज में आज सुशासन पर तकनीकी कार्यक्रम का आयोजन,सांसद सरगुजा श्री चिंतामणि महाराज होंगे मुख्य अतिथि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

इंजीनियरिंग कॉलेज अंबिकापुर में छत्तीसगढ़ सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ सुशासन पर्व का आयोजन 16 दिसंबर 2024 को दोपहर दो बजे से किया जाएगा द्य इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं और गतिविधियों को लोगों तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री चिंतामणि महाराज होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री राम कुमार टोप्पो, और छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर होंगे। कार्यक्रम में सरगुजा संभागायुक्त श्री जीआर चुरेन्द्र, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, एसपी श्री योगेश पटेल एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

उक्त कार्यक्रम में संस्था की उपलब्धियों की जानकारी वीडियो के माध्यम से दी जाएगी। इस दौरान मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों द्वारा संस्था मे गुड गवर्नेस के लिए उत्कृष्ट छात्र छात्राओ को प्रमाण पत्र वितरित किया जाएगा। इस कार्यकम में शासकीय पालीटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर, लाइवलीहुड कॉलेज अम्बिकापुर और आईटीआई अम्बिकापुर के प्रातिभागी भाग लेंगे। साथ ही इस दौरान वृक्षारोपण एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके पूर्व कार्यकम के प्रथम दिवस में सुशासन दिवस के अवसर पर बाइक रैली, द्वितीय दिवस में सुशासन पर रंगोली, मेहंदी,पोस्टर प्रतियोगिता तथा तृतीय दिवस मे ग्राम पंचायत डिगमा मे जनभागीदारी और श्रमदान एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना बनी घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी

» घरों की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट,उपभोक्ता के घर का बिजली बिल हो जाएगा शून्य

» जिले में घरों की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए 213 आवेदकों ने किया ऑनलाइन पंजीयन, 147 आवेदन विभाग को प्राप्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शासन द्वारा शहरी एवं ग्रामीण घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के उद्देश्य से प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। विद्युत विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार योजनांतर्गत सरगुजा जिले में घरों की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए 213 आवेदकों ने ऑनलाइन पंजीयन किया है। इसके साथ ही 147 आवेदन विभाग को प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 45 हितग्राहियों ने घरों में संयंत्र स्थापित करने फर्म का चयन किया है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना फरवरी 2024 से प्रभावशील है। यह स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग द्वारा विद्युत ग्रिड से संयोजित होगा, जिससे उपभोक्ता द्वारा अपनी खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। इससे न केवल उपभोक्ता के घर का बिजली बिल शून्य हो जाता है, बल्कि ग्रिड में दी गई बिजली के एवज में अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 30 हजार रूपए से 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी प्रति प्लांट दिए जाने का प्रावधान है। रूफटॉप सोलर संयंत्र की क्षमता अनुसार लागत राशि एवं सब्सिडी अलग-अलग है। उपभोक्ता द्वारा सोलर प्लांट के ब्रांड चयन कर सकते हैं। 3 किलोवाट से अधिक क्षमता का प्लांट लगाने पर अधिकतम 78 हजार रुपए तक सब्सिडी का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट या चउेनतलंहींत मोबाईल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित अनुबंध हस्ताक्षरित होने के पश्चात वेंडर द्वारा छत पर प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित किया जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यापन पश्चात शासन द्वारा सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है। इस दौरान यदि उपभोक्ता इच्छुक हो तो शेष राशि का प्रकरण 7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण हेतु बैंकों को जनसमर्थन पोर्टल द्वारा ऑनलाईन प्रेषित किया जाता है।

नेशनल लोक अदालत में 16 से अधिक प्रकरणों का हुआ निराकरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

इस साल की आखिरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसंबर को पूरे देश के साथ-साथ जिला सरगुजा में भी हुआ। जिला सरगुजा में मुख्यालय पर 12 पीठ, तहसील सीतापुर में एक पीठ का गठन हुआ था। राजस्व स्तर पर भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सरगुजा केएल चरयाणी ने उपस्थित होने वाले पक्षकारों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों को निराकरण के लाभ बताये। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में प्रकरण के निराकरण से पक्षकारों में अच्छे संबंध बने रहते हैं और न तो कोई पक्षकार जीतता है और न ही कोई पक्षकार हारता है तथा लोक अदालत के माध्यम से जो प्रकरण निराकरण होते हैं उनकी कोई अपील नहीं होती है। केएल चरयाणी ने यह भी बताया कि पूर्व स्थिति में प्री लिटिगेशन के स्तर पर ही प्रकरण का राजीनामा होने से उभय पक्ष को अधिवक्ता की फीस की बचत होती है तथा विचारण का सामना करने से बच सकते है। 14 दिसंबर के लोक अदालत की सफलता यह रही कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश केएल चरयाणी की पीठ में एक पक्षकार को 26 लाख रुपए का मोटर दुर्घटना के मामले में अवार्ड मिला। इसी क्रम में अन्य सफलता यह रही कि परिवार न्यायालय में भी तीन साल पुराने मामले में पति-पत्नी आपसी गिले शिकवे दूर कर राजीनामा कर घर को खुशी से गए। कुल मिलाकर 16,194 प्रकरणों का निराकरण जिला सरगुजा में 14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत पर हुआ।

सुशासन का एक साल,छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल

जेल विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा जेल परिसर में किया गया श्रमदान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष सफलता पूर्वक बीत जाने पर राज्य सरकार के मंशानुसार सुशासन का एक साल, छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में रविवार को श्रमदान की परिभाषा-जन कल्याण की अभिलाषा के तहत जेल के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा जेल परिसर एवं जेल के बाहरी भागों में स्वच्छता अभियान चलाकर पॉलीथीन बैग, झाड़ियों एवं अन्य कचरों को निपटान किया गया। केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर के जेल अधीक्षक श्री योगेश क्षत्री ने बताया कि स्वच्छता अभियान के साथ ही जेल बाड़ी में विभिन्न सब्जियों के पौधा रोपण किया गया, जिसमें टमाटर, फूलगोभी, पत्ता गोभी आदि के पौधे रोपित किए गए। इस कार्यक्रम में जेल प्रशासन की ओर से उप जेल अधीक्षक श्री आर.आर. मातलाम, वरिष्ठ परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी श्रीमती बानी मुखर्जी, सहायक जेल अधीक्षक श्री ए.के. बाजपेयी, और संजय कुमार खैरवार, वरिष्ठ बढ़ई प्रषिक्षक प्रभाकर महाराणा, शिक्षक डिगम्बर सिंह कंवर एवं समस्त अधिकारी और कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया। सुशासन का एक साल, छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल के तहत में जेल विभाग को सौंपे गये गतिविधियों का सुचारू रूप से सम्पादन किया गया।

ट्रैक्टर में सवार युवक की मौत, रेत परिवहन के दौरान हादसा

- संवाददाता -
जशपुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है. ट्रैक्टर पलटने से उसके नीचे दबकर एक युवक की मौत हो गई है। यह मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार, ग्राम बुरजूडीह के पास रविवार दोपहर लगभग 12 बजे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर में सवार एक युवक की दबकर मौत हो गई। वहीं दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया है। मृतक की पहचान अशोक राम के रूप में हुई है, जो राजपुर थाना क्षेत्र का निवासी था। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर ग्राम महनई से रेत लेने के लिए डिपाडीह जा रहा था। रास्ते में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही बगीचा पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन

- संवाददाता -
लखनपुर, 15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पीएस मार्को के निर्देशानुसार लखनपुर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओ पी प्रसाद के मार्गदर्शन में 17 दिसंबर दिन मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओ पी प्रसाद ने क्षेत्र वासियों से अपील की है कि इस रक्तदान शिविर में लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा ले और लोगों की जिंदगी बचाने रक्तदान करें।

ग्राम पंचायत परसोड़ीकला में खदान के विस्तार को रोकने सहित विभिन्न विषय को लेकर हुआ बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आज ग्राम पंचायत परसोडीकला लखनपुर में अमेरा परियोजना के विस्तार हेतु ग्राम परसोडीकला और कटकोना की भूमि को लिया जाना है इन्ही विषयों को लेकर आज बैठक अयोजित किया गया था, पिछ्ले कुछ दिनों पहले ग्राम के निस्तारी तालाब को एसईसीएल द्वारा रात में मनमाना तरीके से चोरी छिपे जेसीबी से खोदना चालू कर दिया था जिसे लेकर खूब विवाद भी हुआ था और तहसीलदार को बुला कर ग्रामीणो की उपस्थित में आवेदन भी दिया गया था ,

इन्ही विषयों को लेकर स्थाई समाधान हेतु आज कोर्ट के मार्गदर्शन हेतु कोर्ट के विख्यात वकील डॉ जे पी श्रीवास्तव और रणविजय सिंह देव के उपस्थिती में ग्रामवासियों की बैठक आयोजित हुई, बैठक में भूमि अधिग्रहण, पेशा कानून पर चर्चा हुआ सभी लोगों ने एकमत होकर जमीन किसी भी स्थिति में नहीं देने का निर्णय लिया, आज तक ग्राम पंचायत परसोडीकला हो या कटकोना के किसी भी सरपंच के द्वारा व ग्रामवासियों द्वारा खदान खोलने या विस्तार हेतु सहमति नहीं दी गई है इसके बावजुद एसईसीएल के दबाव में आकर प्रशासन के संरक्षण में किसानो के भूमि से सटाकर खुदाई कार्य चालू कर दिया था जिससे किसानों का भारी नुकसान हुआ है और मेड टूटकर खदान की ओर चला गया हैं इन सभी विषयों को लेकर ग्रामीण एक मत होकर ज़मीन नहीं देने का और कोर्ट का रुख अपनाने का निर्णय लिया है। आज की इस बैठक में वकील डॉ जे पी श्रीवास्तव , रणविजय सिंह देव , पूर्व जनपद सदस्य धर्मेन्द्र कुमार झारिया , सरपंच नंदलाल सिंह , उपसरपंच गोवर्धन राजवाड़े , शिवपाल राजवाड़े आदि ग्राम के सभी वरिष्ठगण ग्रामीण उपस्थित रहे।

बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने की अलाव की व्यवस्था

कलेक्टर ने व्यवस्था हेतु जनपद सीईओ व नगर पंचायत सीएमओ को दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
दिन प्रतिदिन बढ़ रही ठंड को देखते हुए प्रशासनिक अमला एलर्ट हो गया है।कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने सभी सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश जनपद सीईओ व नगर पंचायत सीएमओ को दिये हैं।इसके साथ ही सभी एसडीएम व तहसीलदार को भी सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। निर्देश के परिपालन में संबंधित अधिकारी बस स्टैंड व अन्य सार्वजनिक स्थानों में अलाव की व्यवस्था कर रहें हैं। नगर पंचायत बिश्रामपुर, जरही चौक, डांडकरवा बस स्टैंड व अन्य स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कराई गई है। आगामी दिनों में भी अलाव जलवाकर लोगों को सर्दी से निजात दिलाने का कार्य किया जायेगा।

प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ एक साल छत्तीसगढ़ बदहाल कार्यक्रम एनएसयुआई ने किया आयोजित

प्रदेश की भाजपा सरकार अपराधों को दे रही जन्म:आकाश साहू

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के एक वर्ष की बदहाली के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएसयुआई के निर्देशानुसार एक साल छत्तीसगढ़ बदहाल कार्यक्रम के तहत एनएसयुआई के ज़िलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में पैदल मार्च करके अग्रसेन चौक में बड़े ही आक्रोश के साथ छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार के वादाखिलाफी के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया गया आकाश साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार जब से सरकार में आयी है तब से प्रदेश के युवा और ज़्यादा बेरोज़गार होते जा रहे है,महिलायें असुरक्षित है,किसान दर-दर भटक रहे है व प्रदेश की जनता काफ़ी परेशान नज़र आ रही है यह सरकार छात्र विरोधी सरकार है प्रदेश के कालेज,स्कूलों में छात्रो के लिये किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है कालेज व स्कूलों में शिक्षक नहीं है जिससे छात्र पढ़ाई नहीं कर पा रहे है भाजपा सरकार जब से आयी है तब से प्रदेश में अराजकता फैली हुई है,क़ानून व्यवस्था लचर नज़र आ रही है,प्रदेश में अपराध बढ़ते जा रहे है इन्ही सब मुद्दों को लेकर एनएसयुआई द्वारा प्रदेश की भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया गया इस

दौरान जाकेश राजवाड़े,नरेन्द्र यादव,संदीप शर्मा,अमान राजा,हिमांशु सिंह,सैयद नदीम,अफ़रोज़ अंसारी,शिवम साहू,यश साहू,मुस्तफ़ा ख़ान,नुमान अली,मनीष साहू,आकाश सिंह,जीशान अली,आशीष सिंह, आशीष साहू,वारिश अंसारी,हरिकेश साहू,संजय ठाकुर,संदीप सोनवानी,प्रियांश तिवारी, कुलदीप दूबे,अजीत यादव, आदित्य विश्वकर्मा,प्रत्युष सिंह, सिकन्दर अली,यंशु सोनवानी,असरफ़ राजा,इमरान अंसारी,गोपेस,अभिजीत सील,अजीत,हर्ष माँझी, छोटू, अकरम,जैनुल,ज़ाहिद राजा,इंजामूल हक़,आकाश विश्वकर्मा,कार्तिक सिंह,नावेद अली,विपिन साहू एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला स्व सहायता समूह का अधिकारी बताकर 41 हजार रूपये की धोखाधड़ी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
ग्राम नवगई चांदनी निवासी चन्द्रकला जायसवाल ने थाना चांदनी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह महामाया महिला स्व सहायता समूह में कार्य करती है, दिनांक 13.05.2024 को एक मोबाईल नंबर से इसे फोन आया और वह अपने को शिवराम यादव महिला स्व सहायता समूह का अधिकारी बोल रहा हूँ कहते हुए बोला कि तुम लोग समूह की एक्टिव महिला हो तुम लोगों को आगे बढ़ना है, पैसा डालो और पैसा कमाओ कहकर झांसे में लेकर फोन पे के माध्यम से तीन किस्तों में 41 हजार रूपये पैसा लेकर धोखाधड़ी करते हुए ऑनलाईन ठगी कर लिया है। प्रार्थियां की रिपोर्ट अपराध क्रमांक 47/24 धारा 420 भादवि व 66 डी आईटी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुराने लंबित मामलों की समीक्षा कर त्वरित निराकरण करने की दिशा में आरोपियों की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना चांदनी की पुलिस आधुनिक तकनीक की मदद से आरोपियों को गुना मध्यप्रदेश में होने की पुष्टि के बाद विधिवत् रवाना होकर गुना जिला मध्यप्रदेश में दबिश देकर आरोपी शिवराम सिंह यादव पिता हटे सिंह यादव उम्र 45 वर्ष ग्राम अमरपुरा, थाना आरेन, जिला गुना मध्यप्रदेश एवं धनपाल पिता लीलम सिंह उम्र 19 वर्ष ग्राम झाझौन, थाना आरोन जिला गुना को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपियों ने धोखाधड़ी को अंजाम देना स्वीकार किया जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। इस घटना को अंजाम देने में एक अन्य आरोपी भी शामील है जिसके विरूद्ध थाना अरोन में 6 प्रकरण चोरी, अनाचार, धोखाधड़ी, जबरन वसूली, गंभीर आघात पहुंचाने की धमकी देकर जबरन वसूली करने का अपराध दर्ज है जो वर्तमान में जिला जेल गुना में निरूद्ध है, जिसकी विधिवत् अनुमति प्राप्त कर गिरफ्तारी किया जाना है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चांदनी रूपेश कुंतल, एएसआई सुप्रियन टोप्पो, प्रधान आरक्षक पवन सिंह, इशित बेहरा, आरक्षक कुलदीप तिग्गा व आलोक सिंह सक्रिय रहे।

धान उठाव में कोरबा जिला प्रदेश में पहले पायदान पर

जिले में अब तक 63 हजार 566 मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

-संवाददाता-
कोरबा,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2024-25 में जिले के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों में हर्ष व्याप्त है। धान खरीदी केंद्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों की उपज खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन वितरण, बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से तौलाई, शीघ्रता से भुगतान आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। जिले में 55 हजार से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। जिले में अब तक 63 हजार 566 मीट्रिक टन गुणवत्तायुक्त धान पंजीकृत किसानों से खरीदी की गई है। कोरबा जिले में अब तक 62 हजार 429 मीट्रिक टन का डीओ जारी हो चुका है और दस हजार 303 मीट्रिक टन धान का उठाव भी हो चुका है। डीओ जारी करने और धान उठाव के मामले में कोरबा जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है। आज मिलर्स के हड़ताल के बाद भी हाथी प्रभावित केन्द्रों से धान उठाव कराया गया है। हड़ताल को ध्यान रखते हुए संग्रहण केन्द्रों की तैयारी शुरू कर दी गई है। सोमवार से संग्रहण हेतु परिवहन शुरू कर दिया जायेगा। किसानों को परेशानी न हो इसके लिये खरीदी केन्द्रों में धान की स्टैकिंग कराकर स्थान बनाया गया है।

जिसमे उपार्जन केंद्र अखरापाली में 12966.40 क्विंटल, उतरदा मे 14184.00 क्विंटल, बोईदा में 7458.80 क्विन्टल, कटघोरा में 10171.20, कनकी में 10945.60, करतला में 18404.40, केरवाद्वारी में 16739.60, कुल्हरिया में 9022.40, कोथारी मे 18714.00, कुदमुरा में 3244.00, कोरकोमा में 7592.00, चचिया 3810.00, कोरबी(पाली) में 18640.40, कोरबी (पोड़ी उपरोड़ा) में 19277.60, चैतमा 14887.20, चिकनीपाली 15607.60, लबेद

12888.40, छुरीकला 9105.20, सुमेधा 4130.40, जटगा 8737.60, तुमान (जटगा)3076.80, जवाली 13187.20, रंजना 5648.80, तुमान 20050.80, तिलकेजा 7629.60, दुरपा 6715.60, नवापारा 18774.40, बेहरचुआं 11432.00, निरधी 19839.60, पठियापाली 7249.20, पसान 7558.40, लैंगा 6944.00, नुनेरा 9006.40, पाली 9950, बकसाही 11607.20, पिपरिया 4000, कर्रानवापारा 2548.80, पोड़ी 11634.40, पोड़ी उपरोड़ा 1990.40, फरसवानी 10506.40, बरपाली(कोरबा) 13366.40, बरपाली(बरपाली) 22481.60, तानाखार 1703.20, बिंझरा 9076.80, कुदरमाल 6183.20, भैंसमा 18086.40, भिलाई बाजार 6292.00, मोरगा 2486.40, मदवानी 4655.20, रामपुर 12728.00, पोटापानी 2348.80, लाफा 5952.80, सपलवा 1308.80, चिर्रा 2664.80, लेमरू 2631.20, श्यांग 12920.80, उमरेली 8070.00, सुखरीकला 5412. 80, सिरमिना 18204.80, दादरखुर्द 7979.20, सोनपुरी 3819.60, कराईनारा 7699.60, सोहागपुर 15778.00, नोनबिर्रा 8841.20, हरदी बाजार में 9018.40 क्विंटल धान खरीदी हुई है। राज्य सरकार द्वारा किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल एवं प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। धान विक्रय के 72 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातें में राशि प्राप्त हो रही है, जिससे किसानों में उत्साह व्याप्त है।

त्रि स्तरीय पंचायत निर्वाचन आरक्षण की कार्यवाही हेतु आम सूचना का प्रकाशन

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतों के निर्वाचन क्षेत्रों का प्रवर्गवार आरक्षण तथा लाट निकालकर महिला आरक्षण की कार्यवाही 17 दिसंबर को जिला पंचायत सभा कक्ष सूरजपुर में, 11 बजे से तथा सरपंच एवं ग्राम पंचायतों के वार्डों का प्रवर्ग वार आरक्षण की कार्यवाही 18 व 19 दिसंबर को, संबंधित जनपद पंचायत के सभा कक्ष में 11 बजे से आयोजित होना है। छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम अनुसार कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत, विकास खंड कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय एवं ग्राम पंचायत में चस्पा करने हेतु विहित अधिकारी के हस्ताक्षर से प्रकाशित किया गया है।

राज्य स्तरीय वेबीनार में सूरजपुर जिले के शिक्षक मिथिलेश पाठक की सहभागिता

-संवाददाता-
सूरजपुर,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के द्वारा डॉक्टर एम सुधीश सहायक संचालक के निर्देशन में एवं टी सी जायसवाल एफ एल एन प्रकोष्ठ एवं आर के चापेकर ए पी सी समग्र शिक्षा के मार्गदर्शन में आयोजित भारतीय भाषा उत्सव राज्य स्तरीय वेबीनार में विकासखंड रामानुज नगर के सहायक शिक्षक मिथिलेश पाठक ने अपनी सहभागिता देते हुए वक्ता के रूप में कहानी पर ऑडियो पॉडकास्ट बनाने विषय पर प्रदेश के शिक्षकों को जानकारी दी है उन्होंने बताया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी मातृभाषा को महत्व देते हुए बहु भाषा शिक्षण पर बल दिया गया है इसी क्रम में शिक्षक द्वारा छत्तीसगढ़ में बोले जाने वाली

विभिन्न छत्तीसगढ़ी , सरगुजिहा, हल्बी ,गोंडी, कुडुख तथा गोंडी में ऑडियो पॉडकास्ट एवं पाठ्यक्रम आधारित, विविध स्थानीय बाल कहानियां एवं प्रेरणादाई संस्मरण का निर्माण किया जा रहा , तथा प्रदेश के विद्यालयों में इन कहानियों के द्वारा बच्चों को बहुभाषा की ओर प्रेरित किया जा रहा है, इस तारतम्य में कुडुख कहानी नंदू, हल्बी कहानी सुंदर गांव,अनाथ बच्चा हिन्दी कहानी बोलने वाली गुफा,पाठ्यक्रम आधारित खतरे में आई खूब सूरत तितलियां, सपने में आया अनपढ़ता का राक्षस बंदर बांट आदि बच्चों को खूब भा रही हैं।

साथ ही शिक्षक द्वारा राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा मासिक चर्चा पत्र के ऑडियो पॉडकास्ट में अपनी आवाज दी जा रही है जिसे cgschool.in के चर्चा पत्र के ऑडियो पॉडकास्ट में भी सुना जा सकता है सेवा पूर्व मिथिलेश पाठक आकाशवाणी अंबिकापुर में आकस्मिक उद्घोषक के रूप में भी सेवाएं दे चुके। जिले के अधिकारी गण एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

न्यायालय अपर कलेक्टर लिंक कोर्ट प्रतापपुर.जिला-सूरजपुर.छ0ग0

क्रमांक/130/वाचक/2004 सूरजपुर, दिनांक 05/12/2024

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 202005261900178/अ-19/2019-20 आगामी पेशी- 26/12/2024

मानमती,पुत्री झरी साय, उम्र लगभग 50 वर्ष,
निवासी ग्राम दुरती, तहसील प्रतापपुर,
जिला-सूरजपुर (छ0ग0) व अन्य 01 .....आवेदक

बनाम

मोहरसाय आ0 रामऔतार, जाति केंवट, निवासी
ग्राम दुरती, थाना व तहसील प्रतापपुर,
जिला-सूरजपुर,छ0ग0 ....अनावेदक

बनाम- मोहरसाय आ0 रामऔतार, जाति केंवट,
निवासी ग्राम दुरती, थाना व तहसील प्रतापपुर
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

मानमती पुत्री झरी साय, उम्र लगभग 50 वर्ष, निवासी ग्राम, दुरती, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर, छ0ग0 व अन्य 01 के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्रम दुरती, तहसील प्रतापपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 821 रकबा 0.41 हे0 भूमि का पट्टा निरस्त किये जाने संबंधी आवेदन पेश किया गया है, जिस पर इस न्यायालय के राजस्व प्रकरण क्रमांक- 202005261900178/अ-18/2019-20, पक्षकार मानमती वगैरह प्रति मोहरसाय पंजीबद्ध कर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उपरोक्त प्रकरण में अनावेदक मोहरसाय आ0 रामऔतार, जाति, केवट, निवासी ग्राम दुरती, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर छ0ग0 को नोटिस तामिली न होने के कारण इस ईश्तहार के माध्यम से अनावेदक को सूचित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में आगामी पेशी तिथि 26/12/2024 को न्यायालयीन समय दोपहर 02:00 बजे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति मय सबुत व दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि नियत तिथि पर आप अनुपस्थित रहते है तो आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। यदि किसी कारणवश उक्त निर्धारित तिथि को न्यायालय अवकाश घोषित हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस पर होगी।

आज दिनांक 05/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

सील

अपर कलेक्टर
सूरजपुर,छ0ग0

पुलिस क्या अपनी इज्जत बचाने के लिए कार्यवाही करने पहुंची और कार्यवाही में भी जुआरी ने ही सहयोग किया, सैकड़ों की तादाद में आते थे जहां जुआरी, पकड़े गए मात्र चार जुआरी यह कैसी कार्यवाही?

जिस क्रेशर में होता था लाखों का जुआ वहां पर कार्यवाही में पुलिस को मिले लगभग 11000 रुपए...ऐसा कैसे?

दैनिक घटती-घटना की खबर पर एक बार फिर लगी मुहर,जुआ फड़ पर कार्यवाही हो गई...खड़े हुए कई सवाल?

क्या पुलिस जुआ फड़ संचालक को बताकर कार्यवाही करने पहुंची थी?

पुलिस की कार्यवाही को लेकर कई बड़े सवाल उत्पन्न हो रहे हैं जिस प्रकार से पुलिस के हाथ मानो कुछ ना लगा हो चार जुआरी और 11000 बरामद होना शर्मसार करने जैसी स्थिति है,कुछ लोगों का यह भी मानना है कि क्या पुलिस यह बतलाकर कार्यवाही करने गई थी? कि हम आज आ सकते हैं जिस वजह से जुआरी कम पहुंचे? क्योंकि संचालक भी उन्हें वहां नहीं मिले जबकि सूत्रों का कहना है कि वहां पर संचालक के साथ 100 से अधिक लोग पहुंचे रहते थे पर उसमें से सिर्फ चार लोगों का मिलना और जहां पर लाखों का दावा लगता था वहां पर 11000 राशि ही बरामद होना पुलिस के कार्यवाही पर संदेह उत्पन्न करता है?

चल रहा था बड़ा जुआ फड़...यदि वहां का मोबाइल डंप डेटा निकल जाए तो पता चल जाएगा...

पुलिस ने जिस जगह पर कार्यवाही की है वहां पर सूत्रों का दावा है कि बड़े स्तर का जुआ चल रहा था पर पुलिस पहुंचकर भी वहां पर जुआरियों के सहयोग से कार्यवाही की है वह भी उन्हीं लोगों पर कार्रवाई हुई है,जो स्वेक्षा से वहां पर जुआ संचालक ने करवाया है,यदि इसका मोबाइल का नेटवर्क डंप डेटा निकल जाए तो सारे राज खुल जाएंगे,वैसे भी थाना प्रभारी साइबर के काफी जानकार हैं और साइबर के माध्यम से भी वह जुआ को पकड़ सकते थे पर अपने साइबर जानकारी का भी उन्होंने इस्तेमाल नहीं किया? यदि वह चाहते तो नेटवर्क डंप डेटा निकालकर भी कार्यवाही कर सकते थे वहां पर कितने मोबाइल नेटवर्क में थे यह भी पता चल जाता है।

-विशेष संवाददाता-
कोरिया/पटना,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना की खबर की एक बार पुष्टि और हो गई दैनिक घटती -घटना ने बड़ी प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित किया था की पटना थाना अंतर्गत एक क्रेशर में लंबे स्तर का जुआ फड़ संचालित हो रहा है,और पुलिस ने इस पर कार्यवाही भी करके एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारा अखबार हमेशा ही सत्य पर आधारित खबर प्रकाशित करता है जिसके परिणाम स्वरूप चार जुआरीयों से पुलिस ने 11 हजार रुपए की रकम बरामद की जो खबर की प्रमाणिकता है, खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस प्रशासन अपनी फजीहत से बचने के लिए कार्यवाही तो कर दी...पर इस कार्यवाही पर सवाल भी कई खड़े हो गए जहां पर 100 से अधिक जुआरी रोज आते थे और लाखों का दाव लगाते थे वहां से मात्र चार जुआरी का पकड़े जाना और मात्र 11000 रुपए बरामद होना कहीं न कहीं पटना पुलिस की कार्यवाही पर संदेह उत्पन्न करता है। सूत्रों का कहना है कि यह कार्यवाही भी पुलिस को फजीहत से बचाने और पुलिस की गिरती साख को बचाने के लिए की गई कार्यवाही थी वहीं जुआरियों ने ही कार्यवाही करवाई है ताकि वह आगे भी जुआ फड़ संचालित कर सके और वही पुलिस को बचाने के लिए यह कार्यवाही पर्याप्त है कि उन्होंने जुआ फड़ पर कार्यवाही की है।

आरोपीगण का नाम

1. बसंतलाल रजक आ. दुलार साय, उम्र 32 वर्ष सा. कुडेली,
2. नीलकमल आ. पूरनचंद साहू,उम्र 20 वर्ष सा. कुडेली,
3. सत्यनारायण साहू आ. देवसाय, उम्र 32 वर्ष सा. माझा,जिला सूरजपुर
4. शयामले राजवाड़े आ. कोमल,उम्र 32 वर्ष सा. माझा जिला सूरजपुर

कार्यवाही प्रायोजित और दिखावा मात्र जुआरियों ने ही करवाई कार्यवाही:सूत्र

सूत्रों का इस कार्यवाही को लेकर कुछ और ही कहना है। सूत्रों का कहना है कि यह कार्यवाही प्रायोजित की गई और जिसमें जुआरियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। जुआरियों ने खुद से यह कार्यवाही करवाई क्योंकि खबर प्रकाशन उपरांत वह परेशान थे और चिंतित थे कि आगे भी खबर प्रकाशित न हो और मामला ज्यादा सुर्खियों में न जाए। यदि सूत्रों की यह बात सही है तो यह आश्चर्य वाली भी बात नहीं क्योंकि अपनी फजीहत से बचने साख बचाने पटना पुलिस ने ऐसा किया है तो इसे समझा जा सकता है।

लंबे समय से चल रहा था जुआ,खबर प्रकाशन उपरांत ही पड़ा छापा,घटती-घटना की खबर की सच्चाई आई सामने

जुआ लंबे समय से जारी था और यह बात सभी जान भी रहे थे और बच्चे बच्चे की जबान पर जुआ फड़ के संचालन की बातें सुनी जा रही थी लेकिन पटना पुलिस को खबर का इंतजार था और घटती-घटना की खबर जैसे ही प्रकाशित हुई वैसे ही जुआ फड़ पर कार्यवाही तय हो गई। कुल मिलाकर देखा जाए तो कहीं न कहीं घटती-घटना की खबर से इस बात की चिंता बढ़ी कि जनसरोकारों से और भ्रष्टाचार और अवैध कारोबार से जुड़ी खबरों से दैनिक घटती-घटना समझौता करेगा नहीं और यदि कार्यवाही का दिखावा नहीं किया तो आगे भी प्रकाशित होगी खबर इसलिए कार्यवाही हुई। वैसे लंबे समय तक जुआ बिना पुलिस की जानकारी के चल रहा था बड़े स्तर पर चल रहा था यह मानना सही नहीं होगा।

पहली बार पुलिस ने कार्यवाही स्थल का फोटो किया जारी

पुलिस ने कार्यवाही स्थल का फोटो जारी किया है यह पहली बार हुई घटना है जब पुलिस ने जुआ फड़ रेड मामले में कार्यवाही स्थल की फोटो साझा की है, पहले थाने से फोटो जारी होते थे और आरोपियों से जब्त सामग्री पैसे की तस्वीर मीडिया को दी जाती थी। क्या ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि सबकुछ वहीं पहले तय हुआ और कितनी बड़ी रेड पड़ी है यह मीडिया को किस स्तर का बताना है। वैसे सूत्रों की माने तो कार्यवाही को लेकर पुलिस ने पहले वहीं तय किया कि कितनी बड़ी और कितने पैसे की रेड बतानी है इसीलिए कार्यवाही की जगह से पुलिस ने जारी की तस्वीर।

क्या पुलिस की इस कार्यवाही के बाद दोबारा भी जुआ फड़ पर होगी कार्यवाही...या फिर इसे अंतिम कार्यवाही मान लिया जाए?

पुलिस की यह कार्यवाही दैनिक घटती-घटना की खबर को संज्ञान में लेकर की गई कार्यवाही है। पुलिस ने खबर के आधार पर जाकर कार्यवाही की अब वह प्रायोजित है कि असली है यह अलग बात है। वैसे पुलिस की कार्यवाही यदि कानून व्यवस्था और अवैध कारोबार के खिलाफ है तो क्या ऐसी कार्यवाही जारी रहने वाली है? क्या अब निरंतरता बनी रहने वाली है कार्यवाहियों की? क्या पुलिस अब खबरों से संज्ञान लेकर अन्य मामलों में भी अन्य अवैध कारोबार मामले में भी कार्यवाही करेगी यह सवाल जरूर उठ रहा है?

पुलिस वाली विज्ञप्ति की कहानी

कोरिया के नए पुलिस कप्तान ने पदभार ग्रहण करते ही जिले के थाना प्रभारियों की संक्षिप्त बैठक में अवैध कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु अपनी स्पष्ट मंशा जाहिर की थी। जिससे जिले में संचालित अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की कार्यवाही तेज हो गई है। जिसके परिणाम स्वरुप थाना पटना में मुखबीर सूचना पर सार्वजनिक स्थानों में छुपकर अवैध रूप से जुआरियों को जुआ खेलते हुए कोरिया पुलिस ने पकड़ा है। दिनांक 14 दिसम्बर 2024 की शाम पेट्रोलिंग के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि थाना पटना क्षेत्र अंतर्गत कुडेली के नरकेली गांव के पास में कुछ लोग बैठकर जुआ खेल रहें है, जिसकी सूचना पर तत्काल मुखबीर के बताए गए उक्त स्थान पर जा कर रेड कार्यवाही किया गया। जहां मौके पर जाकर कुल 04 जुआरियों द्वारा रूपये पैसे का दांव लगाकर हार-जीत का खेल खेला जा रहा था। इसके फलस्वरूप मुखबीर के बताये स्थान पर कोरिया पुलिस द्वारा घेराबंदी कर 04 जुआरी जिसके पास से नगदी रकम 11,120 रूपये तथा 52 पत्ती ताश, पकड़कर सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 3 (2) छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही कर थाना पटना में अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही किया गया है। उल्लेखनीय है कि थाना पटना के अंतर्गत ग्राम कुडेली से लगातार अवैध जुआ खेलने की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नवपदस्थ एसपी कोरिया के निर्देश पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर तत्काल कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक श्री कुर्रे ने इस कार्रवाई के बाद सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है कि ऐसे मामलों में शिथिलता न बरतते हुए कठोर और निरंतर कार्रवाई करें। साथ ही, उन्होंने जनता से अपील की है कि वे किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में अवैध गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं होगा।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के सड़क निर्माण कार्य में लगे साइन बोर्ड जानकारी निरंक

ठेकेदार जानकारी लिखना ज़रूरी नहीं समझते है क्या

जबकि निर्माण कार्य प्रारंभ होने से पहले बोर्ड पर निर्माण संबंधित जानकारी लिखनी होती है

बोर्ड पर जानकारी नहीं है और निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो गया है...

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के जनपद पंचायत खड़गवां के अंतर्गत धनपुर बोडेमूडा अखराडाड ग्राम पंचायतों मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रधानमंत्री जन जाति आदिवासी न्याय महाभियान के तहत ग्रामीणों को लाभान्वित करने के लिए बसाहट के तहत सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है इस प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हो रहे सड़क निर्माण कार्य में जिस सडक का निर्माण कार्य किया जाना होता है उस सड़क निर्माण कार्य में बोर्ड लगा कर उस निर्माण कार्य से संबंधित संपूर्ण जानकारी स्पष्ट रूप से अंकित किया जाता है जो इस विकास खंड में हो रहे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बोर्डों में कहीं भी किसी प्रकार की कोई भी निर्माण संबंधित जानकारी अंकित नहीं कि गई है और ठेकेदार के द्वारा 35 प्रतिशत कार्य रात दिन एक करके निर्माण किया जा रहा है

क्या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के विभागीय अधिकारियों को क्या सूचना बोर्ड पर लिखी गई जानकारी दिखाई नहीं दी या यूं कहा जाए कि अधिकारी निर्माण स्थल पर गये ही नहीं जो इस बोर्ड को देख सके। जबकि आम ग्रामीणों के लिए ये सूचना पटल पर जानकारी अंकित किया जाता है जिससे क्षेत्र एवं स्थानीय ग्रामीणों को क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यो कि विधिवत जानकारी मिल सके कि सड़क निर्माण कार्य में कितने नगर पुल पुलिया कितनी मीटर सी सी सडक आदि का निर्माण कार्य हो रहा है मगर यहां पर ठेकेदार ने सिर्फ निर्माण कार्य का बोर्ड लगाकर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।और इन सूचना पटल में निर्माण से संबंधित किसी प्रकार की कोई जानकारी अंकित करने की जरूरत ही नहीं समझी गई है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है...

निर्माण कार्य के साइन बोर्ड मे ना ही सड़क पर निर्माण होने वाले पुल पुलिया की संख्या अंकित है और ना ही लागत मजदूरी दर कार्य प्रारंभ कि तिथि कार्य पूर्णता की तिथि आदि किसी प्रकार की कोई जानकारी अंकित नहीं है। जिससे सड़क निर्माण कार्य कि गुणवत्ता को लेकर भी प्रश्न चिन्ह लगा रहा है ? इस संबंध में विभागीय अनुविभागीय अधिकारी से जानकारी चाही तो उन्होंने कहा कि देखकर ही कुछ बता पाऊंगा।

फरियादी आयेंगे तब खुल जाएगा पुलिस सहायता केंद्र का ताला?

कोरिया पुलिस की गजब की पुलिसिंग व्यवस्था,कोरिया जिले में एक ऐसा पुलिस सहायता केंद्र जहां दिन में लगा रहा ताला

पुलिस व्यवस्था कम है तो बंद करें कटकोना पुलिस सहायता केंद्र?

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/पटना,15 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

फरियादी जाएंगे तब ताला खुलेगा आप सोच रहे हो कि यह सवाल? तो यह सवाल इसलिए हो रहा है क्योंकि रविवार के दिन तकरीबन साढे 4 बजे पटना थाना के अंतर्गत आने वाला पुलिस सहायता केंद्र कटकोना प्रभारी हैं उप निरीक्षक आरपी साहू वहां पर ताला लटका हुआ था, इस वजह से यह सवाल उत्पन्न हो गया कि क्या फरियादी आएंगे तभी ताला खुलेगा? वहां पर ताला बंद होना यह बड़ा सवाल है क्योंकि थाना, चौकी, सहायता केंद्र हमेशा खुले होते चाहे वह छुट्टी का दिन है क्यों न हो,पुलिस सहायता केंद्र का ताला बंद होना ही पुलिस के लिए आलोचना वाली बात है।

ज्ञात हो की कोरिया जिले में बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था के लिए नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे (भा.पु.से.) ने 13 दिसंबर 2024, शुक्रवार को कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने जिले के राजपत्रित अधिकारियों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया और उनके अधीनस्थ थाना-चौकियों की वर्तमान स्थिति एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय गतिविधियों एवं सुरक्षा व्यवस्था की समग्र जानकारी प्राप्त कर जिले की कानून-व्यवस्था की स्थिति का आंकलन किया। इसके उपरांत, रवि कुमार कुर्रे ने जिला पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण किया और वहां की कार्यप्रणाली का जायज़ा लिया। उन्होंने अधिकारियों से बातचीत कर उनकी जिम्मेदारियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने पुलिस में पारदर्शिता, त्वरित कार्यवाही और नागरिक सेवा में सुधार लाने के उद्देश्य से राज्य शासन की नीति और नीयत को प्राथमिकता देते हुए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने बेसिक पुलिसिंग को और अधिक मजबूत बनाने, अपराधों की रोकथाम एवं निराकरण के लिए प्रभावी कदम उठाने और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। हालांकि नवपदस्थ सभी जिम्मेदार अधिकारी ऐसा ही करते है। पर पुलिसिंग व्यवस्था में विशेष कोई सुधार नहीं दिखाई देती। इधर नए पुलिस अधीक्षक के आते ही पटना थाना अंतर्गत कटकोना पुलिस सहायता केंद्र की एक ऐसी तस्वीर सामने आई जहां पुलिस सहायता केंद्र में तला लटका मिला। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यहां पदस्थ पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी को दो जगहों का प्रभार दिया गया है। जिसके चलते उन्हें अपना दायित्व निर्वहन में दिक्कत आ रही है। चौकी प्रभारी पांडवपरा चौकी के प्रभार में भी अपनी सेवा दे रहे।

पुलिस अधीक्षक ले सकते है संज्ञान...

ऐसा कहा जा रहा है कि कोरिया जिले में आए नए पुलिस अधीक्षक काफी तेज-तर्रार है, उनके रहते इस तरह की पुलिसिंग व्यवस्था पर सज्ञान लिया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने छेत्र चल रहे नशाखोरी,जुआ और कोयला के लिए विशेष टीम गठित कर कारवाही करने की बात कही है।

चौकी प्रभारी की लापरवाही से कटकोनावाशी परेशान

कटकोना पुलिस सहायता केंद्र के पदस्थ पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी को दो जगह का प्रभार के साथ पटना थाना में भी देखा जाता है जिससे उनके द्वारा पूर्ण जिम्मेदारी से काम नहीं हो पा रहा है।

केवल 9.5 करोड़ में बिके 19 खिलाड़ी

» ये रहा सभी 5 टीमों का फुल स्क्वॉयड

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर 2024। वीमेंस प्रीमियर लीग के अगले सीजन यानी डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए नीलामी आज हो गई। अभी पिछले ही महीने आईपीएल 2025 के लिए ऑक्शन हुआ था, जहां एक एक खिलाड़ी पर आठ से दस करोड़ और 15 करोड़ से भी ज्यादा की बोली लगी। लेकिन अगर वीमेंस प्रीमियर लीग की बात की जाए तो 19 खिलाड़ी केवल 9.5 करोड़ रुपये में ही बिक गए। अब अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए सभी 5 टीमें तैयार हो गई हैं।

टीमों के पास केवल 19 स्लॉट ही थे बाकी

मिनी ऑक्शन में कुल 19 स्लॉट के साथ 124 खिलाड़ियों को दांव पर लगाया गया था। टीमों ने पहले से ही अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन कर रखा है, इसलिए ना तो ज्यादा खिलाड़ी खरीदे गए और ना ही ज्यादा पैसा खर्च हुआ। पूरी नीलामी में केवल चार ही खिलाड़ी ऐसे रहे, जिन पर 1 करोड़ रुपये से अधिक की बोली लगाई गई। अनकैप्ड भारतीय सिमरन शेख, जी कमलिनी और प्रेमा रावत के अलावा वेस्टइंडीज की आइकन डिएंड्रा डॉटिन ने नीलामी के मैदान में बड़ी बोलियां लगी।

सिमरन शेख इस साल सबसे महंगी खरीदी जाने वाली खिलाड़ी

गुजरात जायंट्स की ओर से 1.9 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सिमरन डब्ल्यूपीएल 2025 की नीलामी की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गई। उन्होंने 10 लाख रुपये के बेस प्राइस पर प्रवेश किया और दिल्ली कैपिटल्स और जायंट्स के बीच बोली लगाने की होड़ देखी गई। वेस्टइंडीज की स्टार प्लेयर्स में से एक डॉटिन को भी जायंट्स ने 1.7 करोड़ रुपये में अपने पाले में करने में कामयाबी हासिल कर ली।

डब्ल्यूपीएल 2025 के लिए सभी 5 टीमें दिल्ली कैपिटल्स की टीम

जेमिमाह रोड्रिग्स, मेग लैनिंग, शैफाली वर्मा, राधा यादव, शिखा पांडे, मारिजैन कप्प, तितास साधु, एलिस कैप्सी, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, जेस जोनासेन, स्नेहा दीप्ति, अरुंधति रेड्डी, एनाबेल सदरलैंड,
नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ीः एन चरानी, नंदिनी कश्यप, सारा ब्राइस, निकी प्रसाद

गुजरात जायंट्स की टीमः

एशले गार्डनर, बेथ मूनी, हरलीन देयोल, दयालन हेमलता, तनुजा कंवर, शबनम शकील, लौरा वोल्वार्ड्ट, फोबे लिचफील्ड, मेघना सिंह, मन्नत कश्यप, काशवी गौतम, प्रिया मिश्रा, सयाली सतघरे, भारती फुलमाली
नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ीः सिमरन शेख, डींड्रा डॉटिन, डेनिएल गिब्सन, प्रकाशिका नायक

मुंबई इंडियंस की टीमः

हरमनप्रीत कौर, नट साइवर:ब्रंट, अमेलिया केर, पूजा वस्त्राकर, यास्तिका भाटिया, अमनजोत कौर, सैका इशाक, हेले मैथ्यूज, क्लो ट्रायॉन, जिन्तिमनी कलिता, शबनिम इस्माइल, सजीवन सजना, अमनदीप कौर, एसबी कीर्तना,
नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ीः जी कमलिनी, नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, अक्षिता माहेश्वरी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमः

स्मृति मंधाना, सोफी डिवाइन, एलिसे पेरी, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, श्रेयंका पाटिल, कनिका आहूजा, आशा शोभना, जॉर्जिया वेरेहम, केट क्रॉस, एकता बिष्ट, एस मेघना, सोफी मोलिनक्स, डैनी व्याट
नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ीः प्रेमा रावत, जोशिता वीजे, राघवी बिष्ट, जगरवी पवार

यूपी वारियर्स की टीमः

सोफी एक्लेस्टोन, दीप्ति शर्मा, ताहलिया मैकग्राथ, एलिसा हीली, अंजलि सरवानी, राजेश्वरी गायकवाड़, श्वेता सहरावत, किरण नवगिरे, ग्रेस हैरिस, वृंदा दिनेश, पूनम खेमनार, साइमा ठाकोर, गौहर सुल्ताना, चमारी अथापत्थु, उमा छेत्री
नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ी अलाना किंग, अरुशी गोयल, क्रांति गौड़

पाकिस्तान को धूल चटाने का खिलाड़ी को मिला बड़ा इनाम

कुछ ही मिनट बादडब्ल्यूपीएल में लगी करोड़ों की बोली

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर 2024। किसी खिलाड़ी की किस्मत कुछ ही मिनटों में कैसे बदलती है, इसका एक और ताजा उदाहरण आज देखने के लिए मिला। वूमेंस अंडर 19 एशिया कप में जिस भारतीय खिलाड़ी ने 15 दिसंबर को पाकिस्तान के खिलाफ विस्फोटक पारी खेली, उसके कुछ ही मिनट बाद महिला आईपीएल यानी डब्ल्यूपीएल में उस पर करोड़ों की बोली लग गई। मजे की बात ये है कि उस खिलाड़ी की बोली केवल 10 लाख रुपये से शुरू हुई थी, जो कुछ ही देर में बढ़ते बढ़ते एक करोड़ के भी पार चली गई।

भारत की अंडर 19 टीम की मैंबर हैं कमलिनी

वीमेंस अंडर 19 एशिया कप में आज भारत का मुकाबला पाकिस्तान से था। टीम इंडिया ने इस मैच को बड़ी आसानी से 9 विकेट से अपने नाम कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की अंडर 19 महिला टीम ने 20 ओवर में केवल 67 रन ही बनाए। भारतीय महिला टीम के सामने एक छोटा सा स्कोर था। देखना बस इतना था कि टीम इंडिया कितने ओवर में इस मैच को अपने नाम करती है। भारतीय टीम ने केवल 7.5 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर दिया गया लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच की सबसे बड़ी स्टार बनकर उभरी कमलिनी। बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर उतरीं कमलिनी ने 29 बॉल पर शानदार 44 रन की पारी खेली।

कमलिनी ने लगा दी चौके और छक्कों की झड़ी

कमलिनी ने अपनी इस पारी के दौरान तीन छक्के और चार चौक लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 151 से भी ज्यादा का रहा। कमलिनी एक विकेट कीपर ओपनर हैं। ये उनके पक्ष में जाता है। भारत बनाम पाकिस्तान मैच खत्म होने के कुछ ही देर बाद वूमेंस प्रीमियर लीग के लिए नीलामी शुरू हुई। उसमें उनका नाम पुकारा गया। बोली 10 लाख रुपये से शुरू हुई थी, जो देखते ही देखते करोड़ों में चली गई।

कमलिनी अब डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलेंगी

कमलिनी पर पहली बोली मुंबई इंडियंस ने लगाई। लेकिन दिल्ली की टीम भी उन्हें अपने पाले में करना चाहती थी। दस लाख से शुरू हुई बोली 50 लाख के पार गई और उसके बाद एक करोड़ तक जा पहुंची। कुछ ही देर बाद ये डेढ़ करोड़ के भी पार चली गई। कमलिनी की आखिरी बोली एक करोड़ 60 लाख की लीग, इसके बाद दिल्ली की टीम पीछे हट गई और मुंबई इंडियंस ने कमलिनी को अपने पाले में करने में कामयाबी हासिल कर ली।

बाबर आजम वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने से चूके

अब करना पड़ेगा इतने महीने का लंबा इंतजार

रावलपिंडी, 15 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम एक विश्व कीर्तिमान का लंबे समय से पीछा कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उसे ध्वस्त करने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। अब वो वक्त आ चुका है कि उन्हें इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए दिनों का नहीं, बल्कि कई महीनों का लंबा इंतजार करना पड़ेगा। हम यहां जिस विश्व रिकॉर्ड की बात कर रहे हैं, वो टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का है। जहां बाबर आजम इस वक्त दूसरे नंबर पर हैं।

रोहित शर्मा ने बनाए हैं टी 20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन

टी20 इंटरनेशनल में इस वक्त सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रोहित शर्मा हैं। जो इसी साल खेले गए टी 20 वर्ल्ड कप के बाद इस फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर चुके हैं। रोहित शर्मा ने अपने करियर में 159 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 4231 रन बनाने का काम किया है। उनका औसत इस फॉर्मेट में 32.05 का है और वे 140.89 के औसत से रन बना रहे हैं। पिछले कई महीनों से रोहित ने टी20 मैच भी नहीं खेला है, इसके बाद भी अभी तक कोई उनसे आगे नहीं निकल पाया है। हालांकि बाबर आजम उनके काफी करीब हैं।

बाबर आजम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर

बात बाबर आजम की करें तो वे अब तक 128 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 4223 रन बना चुके हैं। इस फॉर्मेट में उनका औसत 39.83 का है और वे 129.22 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। पहले तो वे अपनी टीम के कप्तान थे, लेकिन अब बतौर खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में खेल रहे हैं।

रोहित शर्मा से आगे निकल गए स्टीव स्मिथ

मेलबर्न, 15 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने तीसरे टेस्ट पर भी अपना शिकंजा कस लिया है। पहले ट्रेविस हेड ने सेंचुरी लगाई, इसके बाद स्टीव स्मिथ ने भी सैकड़ा ठोक दिया। हालांकि स्टीव स्मिथ अपने शतक जो ज्यादा बड़ा नहीं कर पाए, लेकिन इसके बाद भी वे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा से आगे निकल गए हैं। अब स्मिथ केन विलियमसन की बराबरी पर आ गए हैं। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज में अभी तक स्टीव स्मिथ का बल्ला ज्यादा नहीं चला था, लेकिन जब चला तो ऐसा चला कि उन्होंने सेंचुरी लगा दी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा ये मुकाबला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेला जा रहा है। इसमें सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज जो रूट हैं, जिन्होंने 64 मैच खेलकर अब तक 18 शतक लगा दिए हैं। खास बात ये है कि जो रूट के आसपास भी दूसरा कोई बल्लेबाज नहीं है। इस लिस्ट में दूसरा नाम मार्नस लाबुशेन का है, जो 11 शतक लगा चुके हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और स्टीव स्मिथ के अब 10 शतक हो गए हैं। हालांकि केन विलिमयन को जहां दस शतक लगाने के लिए 28 मैचों की ही जरूरत पड़ी, वहीं स्टीव स्मिथ ने दस शतक लगाने के लिए 48 मैच लिए हैं।

नीरज चोपड़ा को मिला बड़ा सम्मान

» पेरिस ओलंपिक की जर्सी वर्ल्ड एथलेटिक्स हेरिटेज कलेक्शन में शामिल

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर 2024। नीरज चोपड़ा की गिनती भारत के महान प्लेयर्स में होती है। वह भारत के लिए ओलंपिक में जैवलिन में दो मेडल जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 में उन्होंने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीता था। अब उनकी पेरिस ओलिंपिक वाली जर्सी वर्ल्ड एथलेटिक्स हेरिटेज कलेक्शन में शामिल की गई है। स्टार जैवलिन खिलाड़ी नीरज चोपड़ा उन 23 खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी टूर्नामेंट कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स हेरिटेज कलेक्शन में शामिल किया गया है जो वर्तमान में विश्व एथलेटिक्स हेरिटेज के ऑनलाइन थ्री डी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित हैं। टोक्यो ओलंपिक में एथलेटिक्स में भारत के पहले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बने चोपड़ा ने इस साल पेरिस खेलों में पहनी गई टूर्नामेंट की टी-शर्ट दान कर दी है।

ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाले चौथे भारतीय

नीरज चोपड़ा वर्ल्ड एथलेक्टिस चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल बुडापेस्ट में में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा वह आजाद भारत में ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाले कुल चौथे भारतीय प्लेयर हैं। सुशील कुमार, पीवी सिंधु, मनु भाकर भी ओलंपिक में दो मेडल जीत चुकी हैं।

फिल्म कन्नप्पा से महादेव शास्त्री के रूप में मोहनबाबू की पहली झलक आई सामने

मंचू विष्णु बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म कन्नप्पा में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने 24 फिल्म्स फैक्ट्री के बैनर तले किया है। इस फिल्म में बागी स्टार प्रभास, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, मलयालम स्टार मोहनलाल और अतिथि भूमिकाओं में सरथ कुमार सहित कई प्रभावशाली कलाकार हैं। 100 करोड़ रुपये के कथित बजट के साथ, कन्नप्पा मंचू विष्णु के करियर की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक है, जिससे प्रशंसकों के बीच काफी उम्मीदें हैं।फिल्म यूनिट ने हाल ही में मोहन बाबू का महादेव शास्त्री की मुख्य भूमिका वाला पोस्टर जारी किया है, जिसने दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। इस पोस्टर में मोहन बाबू भगवा रंग के कपड़े पहने हुए गंभीर नज़र आ रहे हैं। काजल अग्रवाल सहित विविध कलाकारों ने फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। कन्नप्पा शिव भक्त कन्नप्पा और उनकी कहानी का सिनेमाई रूपांतरण है।इस साल प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में फिल्म का टीजर प्रीमियर किया गया, जिसने काफी चर्चा बटोरी। स्टीफन देवसी द्वारा संगीत और एंथनी गोंसालवेज द्वारा संपादन के साथ, कन्नप्पा दिसंबर में तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ सहित सभी प्रमुख अखिल भारतीय भाषाओं में रिलीज़ होने वाली है।कन्नप्पा के निर्माताओं ने शानदार एक्शन दृश्यों और महाकाव्य युद्ध दृश्यों के साथ एक शानदार दृश्य का वादा किया है। अपने विविध कलाकारों, प्रभावशाली बजट और सिनेमाई भव्यता के साथ, कन्नप्पा इस साल की प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनने के लिए तैयार है।

राम चरण की फिल्म आरसी में हुई दिव्येंदु शर्मा की एंट्री

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण अपनी आगमी फिल्म आरसी 16 (अस्थाई नाम) को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर के नजर आने की चर्चा बीते कुछ समय से काफी ज्यादा चल रही थी। इस बीच इस फिल्म में अब एक और सितारे की एंट्री हो गई है। वेब सीरीज मिर्जापुर में मुन्ना भैया का किरदार निभाने वाले दिव्येंदु अब राम चरण के साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। हाल ही में निर्माताओं ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी फैंस के साथ साझा की है। वृद्धि सिनेमाज के आधिकारिक एक्स पेज पर दिव्येंदु के फिल्म में काम करने की पुष्टि की गई है। साथ ही, निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी है कि फिल्म में उनके लिए खास तरह का किरदार तैयार किया गया है। इस एक्स पोस्ट में दिव्येंदु खतरनाक लुक में नजर आ रहे हैं। अभिनेता के फोटो के साथ पोस्ट में लिखा है, हमारे पसंदीदा मुन्ना भैया, उनके लिए खास तौर पर तैयार की गई शानदार भूमिका में बड़े पर्दे पर छाएंगे। इस पोस्ट पर लोग काफी ज्यादा उत्साहित नजर आए और उन्होंने दिव्येंदु को राम चरण के साथ पर्दे पर देखने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की।फिल्म के निर्देशक बुची बाबू सना ने भी फिल्म में उनकी एंट्री पर खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमारे और आपके भैया....मुन्ना भैया...फिल्म में आपका स्वागत है...आइए धमाल मचाते हैं।आरसी 16 की बात करें तो इसे एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म माना जा रहा है। हाल ही में मैसूर जाते हुए राम चरण की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। कथित तौर पर आरसी 16 की शूटिंग 22 नवंबर को मैसूर में शुरू हुई थी। फिल्म में एआर रहमान का संगीत लोगों को सुनने को मिलेगा। बुची बाबू सना रंगस्थलम और उप्पेना जैसी शानदार फिल्में लिख चुके हैं। यही वजह है कि फैंस को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

रकुल प्रीत सिंह ने स्टाइलिश आउटफिट पहन कैमरे के सामने फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो तेजी से वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने मल्टीकलर का बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

CMYK

देश की संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस विधायक दल की बैठक संपन्न

शीतकालीन सत्र को लेकर बनाई रणनीति

रायपुर, 15दिसम्बर 2024(ए)। कांग्रेस पार्टी के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विधानसभा के सोमवार से शुरू हो रहे शीत कालीन सत्र के लिए रणनीति बनाई गई।इस बैठक में पीसीसी चीफ दीपक बैज, प्रभारी सचिव जरिथा लैतफलांग, शरत कुमार, विजय जांगिड़, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव समेत कई पूर्व विधायक एवं मंत्री उपस्थित रहे।

विधानसभा के रजत जयंती वर्ष के लोगो का विमोचन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह ने जारी किया वीडियो

रायपुर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शनिवार को विधान सभा के रजत जयंती वर्ष के प्रतीक चिन्ह विमोचन कर एक वीडियो भी जारी किया।

डॉ. रमन सिंह ने अपनी पत्रकार वार्ता में विधान सभा के रजत जयंती वर्ष 14 दिसम्बर, से 14 दिसम्बर, 25 तक आयोजित किए जाने वाले प्रस्तावित कार्यक्रम के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान फरवरी मार्च के बजट सत्र में नए विधानसभा भवन का उद्घाटन, राष्ट्रपति प्रधानमंत्री का संबोधन आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा, विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे ।

50 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी का रिकॉर्ड

- » खरीदी में नंबर वन है यह इलाका
- » छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का नया रेकॉर्ड
- » अब तक 10 लाख किसानों में बेची धान
- » धान खरीदी पर विपक्ष कर रहा सियासत
- » अधिकारियों ने कहा- बरदाने की कमी नहीं

रायपुर, 15दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर सियासत जारी है। इसी बीच राज्य में किसानों से समर्थन मूल्य पर अब तक कुल 50 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि रायपुर संभाग में 14.52 लाख मीट्रिक टन, बिलासपुर संभाग में 9.76 लाख मीट्रिक टन, दुर्ग संभाग में 17.79 लाख मीट्रिक टन, बस्तर संभाग में 4.13 लाख मीट्रिक टन और सरगुजा संभाग में 3.80 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी गई है।

खरीदी केंद्रों में बरदानों की कमी नहीं

अधिकारियों ने कहा कि धान उपार्जन के लिए बारदानों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश में अनुमानित 160 लाख मीट्रिक टन धान के खरीदी के लिए 4 लाख गठान नए बारदानों की आवश्यकता है। सभी उपार्जन केंद्रों में बारदानों की कोई कमी नहीं है। अधिकारियों ने दावा किया है कि किसी भी धान खरीदी केंद्र में किसानों के साथ कोई दिक्कत नहीं हो रही है। किसान टोकन के माध्यम से आसानी से अपनी धान बेच पा रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि खरीदी गई धान का संग्रहण और भंडारण काम भी तेजी से हो रहा है। इस साल भंडारण क्षमता को बढ़ाकर 37.25 लाख मी.टन कर दिया गया है। जिन केंद्रों में भंडारण क्षमता से अधिक धान जमा हो रही है, वहां परिवहन आदेश जारी कर निकटतम संग्रहण केंद्रों में धान का परिवहन किया जा रहा है। अब तक 9.09 लाख मीट्रिक टन धान के परिवहन आदेश जारी किए जा चुके हैं।

10 लाख से ज्यादा किसानों ने बेची धान

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कुल 27.78 लाख रजिस्टर्ट किसान हैं। अब तक 10.66 लाख किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान बेची है। इनमें 2.92 लाख लघु एवं सीमांत कृषक और 6.26 लाख दीर्घ कृषक शामिल हैं। किसानों को उनकी फसल का भुगतान तेजी से किया जा रहा है। अब तक विपणन संघ द्वारा 10,770 करोड़ रुपये की राशि अपेक्स बैंक को अंतरित की जा चुकी है।

बिलासपुर का छत्तीसगढ़ भवन बना मधुशाला

बीजेपी-कांग्रेस नेता एक साथ छलका रहे है जाम

बिलासपुर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। बीजेपी और कांग्रेस नेताओं में वैसे तो कई मुद्दों को लेकर मतभेद रहते हैं, लेकिन जब पीने-खाने की बात आती है तो सब एक हो जाते हैं। ऐसा ही मामला सामने आया है बिलासपुर के छत्तीसगढ़ भवन में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से शराबखोरी का बड़ा मामला सामने आया है। बीजेपी और कांग्रेस नेताओं में वैसे तो कई मुद्दों को लेकर मतभेद रहते हैं, लेकिन जब पीने-खाने की बात आती है तो सब एक हो जाते हैं। ऐसा ही मामला सामने आया है बिलासपुर के छत्तीसगढ़ भवन में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से शराबखोरी का बड़ा मामला सामने आया है।पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने रात्रि 9 बजे के आसपार मुखबीर की सूचना पर छत्तीसगढ भवन में धावा बोला। व्हीआईपी छत्तीसगढ़ भवन के पीछे दम और रम के साथ बैठे एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार कराया। कार्यवाही के दौरान करीब 7 से अधिक लोग भागने में कामयाब रहे। अन्य सात लोगों को पकड़कर सिविल लाइन थाना लाया गया।

पुलिस कप्तान के आदेश पर सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार सभी सातों का ब्रेथ एनालाइजर कराया। चार लोगों को शराब सेवन का दोषी पाया गया। जबकि तीन लोग साफ सुथरा साबित हुए। छत्तीसगढ़ भवन मौज मस्ती का पर्यटन स्थल बन गया थासूत्र से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में भाजपा और कांग्रेस के एक दर्जन नेताओं का नाम आ रहा है जिनमें प्रमुख रूप से धर्मेश शर्मा जो कांग्रेस नेता और ठेकेदार भी है, शरद शर्मा,संजय महेश्वरी, एस के तिवारी मुख्य रूप से शामिल थे सभी को पहले पद यात्रा में छत्तीसगढ़ भवन से सिविल लाइन थाना ले जाया जा रहा था पर बाद में किसी का फोन आने के बाद गाड़ी में ले जाया गया।ब्रेथ एनालाइजर के बाद शराब सेवन के आरोप में पुलिस ने भाजपा और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ 36(च) का अपराध दर्ज किया। इसके बाद सभी को पेनाल्टी के साथ मुचलके पर रिहा कर दिया।कार्यवाही में पुलिस ने बीजेपी-कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार किया है। दरअसल, बिलासपुर में स्थित छत्तीसगढ़ भवन में भाजपा-कांग्रेस के नेता कारोबारियों के साथ बैठकर शराब पीते मिले। इस दौरान पुलिस ने नेताओं और कारोबारियों को पकड़ लिया।बीजेपी-कांग्रेस नेता साथ में छलका रहे थे जाम आसपास के लोगों ने इसकी शिकायत एसपी से की, जिसके बाद सीएसपी सहित पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान बीजेपी-कांग्रेस नेता सहित चार लोग गार्डन में अलाव जलाकर शराब पीते मिले। उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। बता दें कि इस तरह के शराबखोरी वाले मामले बिलासपुर से रोज ही सामने आ रहे हैं। यहां शराब पीकर लोग गाली-गलौज कर हंगामा मचाते हैं। इससे तंग आकर लोगों ने शुक्रवार को एसपी रजनेश सिंह से शिकायत कर दी। उन्होंने सिविल लाइन सीएसपी और प्रशिक्षु आईपीएस निमितेश सिंह को कार्रवाई करने करने के दिए। टीम जब छत्तीसगढ़ भवन पहुंची, तब भाजपा और कांग्रेस नेता समेत चार लोग गार्डन में अलाव जलाकर शराब पीते मिले।

अब 16 नहीं कम डिब्बों के साथ चलेगी दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस

दुर्ग, 15 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली दोनों वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्री नहीं मिल रहे हैं। इसलिए इनके कोचों को कम कर दिया गया है। दरअसल, दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में 16 कोच हैं, जो पूरी तरह नहीं भर पा रही है। केवल 30 से 35 प्रतिशत ही यात्री इसमें सफर कर रहे हैं। लिहाजा रेलवे ने कोच की संख्या कम करने का विचार किया है। यही स्थिति नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की थी, जिसके कारण रेलवे को कोच कम करना पड़ रहा है। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि आठ कोच कम होने से वंदे भारत एक्सप्रेस को पर्याप्त संख्या में यात्री मिलने लगेंगे। जानकारी के अनुसार कोच कम करने के लिए मुख्यालय को पत्र भी भेजा गया है। वंदे भारत ट्रेनों में रूट और अपेक्षित यात्रियों की संख्या के आधार पर आठ, 16 या 20 कोच हो सकते हैं। आठ कोच वाली रेक बेहतर हो सकती है। इस ट्रेन में दो एग्जीक्यूटिव क्लास कोच और 14 चेयर कार कोच हैं। इसमें 1,128 यात्रियों के बैठने की क्षमता हैं। टिकट महंगा होने के कारण ही ट्रेन को लेकर यात्रियों में उत्साह नहीं है। इसी के कारण कम यात्री मिलने से रेलवे को नुकसान उठाना पड़ रहा है। रायपुर-विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन को लेकर यात्रियों में कोई खास उत्साह नहीं है। इसके चलते दोनों तरफ से वंदे भारत पूरी तरह से भर नहीं पा रही है।

पुलिस ने सरेंडर नक्सलियों की कराई शादी

गरियाबंद, 15 दिसम्बर 2024(ए)। जिले में मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लेते हुए आत्मसमर्पित नक्सली प्रमिला एवं टिकेश्वर ने अग्नि के सात फेरे लिए। टिकेश्वर और प्रमिला ने बताया कि हम दोनों नक्सली संगठन से जुड़े हुए थे, जहां पर विवाह करने एवं परिवार के बंधन में बंधने की इजाजत नहीं थी। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के तहत पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद हम दोनों ने अधिकारियों के पास शादी करने की इच्छा जताई। इस बात को ध्यान में रखते हुए गरियाबंद पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत कार्यक्रम में पूरे पुलिस परिवार के सामने नवदंपत्ति को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ शासन और गरियाबंद पुलिस का धन्यवाद करते हुए प्रमिला और टिकेश ने नक्सली संगठन के सभी सदस्यों से कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाते हुए समाज के मुख्य धाराओं से जुड़ें और अपने खुशहाल जीवन जिएं।

प्रदेश के निजी स्कूलों की मान्यता रद्द

दुर्ग, 15 दिसम्बर 2024(ए)। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने रायपुर के 3 और प्रदेश कुल 9 स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी है। मंडल ने इसकी सूची जारी कर दी है। जिसमें बताया है कि मापदंड का पालन नहीं करने वाले स्कूलों को मान्यता नहीं दी है। इनमें दुर्ग और कवर्धा के 2-2, महासमुंद और कोरिया के 1-1 स्कूल के नाम शामिल है। मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने बताया कि 184 में से 175 स्कूलों को मान्यता दी गई है।

क्या है नियम और मापदंड

माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से जारी मापदंड के अनुसार स्कूल की भूमि, भवन, संकाय, छात्रों की दर्ज संख्या अनुसार बैठक व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा पेयजल व्यवस्था, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल मैदान, प्रसाधन और शैक्षणिक स्टाफ होनी चाहिए। अन्य सुविधाओं में फर्नीचर, विद्युत, वित्तीय व्यवस्था, विद्यार्थियों की सुरक्षा आदि मापदंड होनी चाहिए।

इन स्कूलों की गई मान्यता

इन मापदंड का पालन नहीं करने पर 9 स्कूलों को मान्यता नहीं दी गई। इनमें रायपुर के 3 स्कूल है। इनमें ब्लेसिंग उमावि सड्डू, शांति निकेतन पब्लिक उमावि बोरिया कला और वीर छत्रपति शिवाजी प्रोफ़ेसर कॉलोनी। दुर्ग के दीक्षा पब्लिक हाईस्कूल कृष्णा नगर सुपेला, इंडियन पब्लिक स्कूल नंदनी रोड जामुल। कवर्धा के लिटिल फ्लावर हाई स्कूल सैगोना, लक्ष्य पब्लिक स्कूल हाईस्कूल रैतापारा। महासमुंद के आइडियल कॉन्वेंट हाईस्कूल घोड़ारी बिरकोना और कोरिया के कोरिया ज्ञान गंगा हाईस्कूल शिवपुर चरचा।

पुष्पा फिल्म का डॉयलाग बोलते हुए नाबालिग ने किया फायर

बिलासपुर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। जिले के सीपत थाना क्षेत्र में एक नाबालिग ने परिवारिक विवाद के बीच पुष्पा फिल्म के डॉयलाग पुष्पा को फ्लॉवर समझा क्या, फ्लॉवर नहीं ,फायर है मैं बोलकर अपने दादा की लाइसेंसी बंदूक से फायर कर दिया, जिससे उसकी दादी और एक युवक घायल हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची सीपत पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लेकर बंदूक को जब्त कर लिया है।सीपत थाना टीआई गोपाल सतपथी ने बताया कि 16 वर्षीय बालक और उसके चाचा के बीच परिवारिक बातों को लेकर विवाद हो रहा था, जिससे आसपास पड़ोसी व रिश्तेदारों की भीड़ लग गई थी। इस बीच गुस्से में आकर नाबालिग दौड़ते हुए अपने घर गया, जहां से भरमार बंदूक लेकर बाहर निकला, और जोर से पुष्पा फिल्म का डॉयलाग पुष्पा को फ्लॉवर समझा क्या, फ्लॉवर नहीं, फायर है मैं÷ बोलते हुए जमीन पर फायर कर दिया। भरमार बंदूक की फायरिंग से निकला छर्रा जमीन से उछलकर पास खड़ी दादी और आशीष शिकारी नामक युवक के दाएं हाथ पर लगा, जिससे दोनों घायल हो गया।

छत्तीसगढ़ के सक्ति जिला में आदिवासी की जमीन विक्रय में हो रही अनियमितता

- » गोंगपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम आंदोलन में हुये शामिल
- » उप पंजीयक प्रतीक खेमुका, क्रेता मुस्कान बंसल, आम मुख्तियार जगदीश बंसल, दस्तावेज लेखक सहित गवाहों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

रायपुर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री छग, राजस्व मंत्री छत्तीसगढ़ के नाम कलेक्टर के माध्यम से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह मरकाम विधायक व पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में जनपद पंचायत सक्ती के अंतर्गत गैर आदिवासी व्यक्ति के द्वारा क्रय किये गये आदिवासी भूमि की रजिस्ट्री शून्य करने व जनपद पंचायत सक्ति को विशेष अनुसूचित जनजाति क्षेत्र घोषित करने की मांग करने के साथ साथ 10 बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपा गया। वहीं ज्ञापन सौंपते समय गोंडवाना गणतंत्र पार्टी सक्ति के जिला पदाधिकारी, ब्लॉक पदाधिकारी, कार्यकर्तागण सहित राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सक्ती जिला अंतर्गत जनपद पंचायत सक्ती में संवैधानिक नियमों के विपरीत आदिवासी भूमि खरीदी की जा रही है, जो कि आदिवासी वर्ग के हित में नहीं है। इसी तारतम्य में तहत्तील सक्ती वि. खं. एवं जिला सक्ती के खसरा नं. 14/3 कुल रकबा 0.12 एके / 0.049 हेक्टेयर (परिवर्तित) आदिवासी वर्ग के व्यक्ति जानकी बाई बेवा गणेश राम हिमांशु उर्फ सोनु पिता-गणेशराम वगै. निवासी ग्राम बोरदा पोस्ट-जाजंग तहसील सक्ती जिला सक्ती छ.ग. के हक स्वामित्व कि जमीन को तत्कालिन उप-पंजीयक अधिकारी श्री प्रतीक खेमुका के द्वारा गैर आदिवासी वर्ग के व्यक्ति के नाम रजिस्ट्री कर दिया गया है। जिसके विरोध में गो वाना गणतंत्र पार्टी के द्वारा जिला कलेक्टर सक्ती को इस अनुमति विहीन रजिस्ट्री के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करने निवेदन किया गया था।

सीमा सुरक्षा बल कैंप के पास आईईडी ब्लास्ट,जवान घायल

रायपुर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार सुबह एक बारूदी सुरंग को निष्क्रिय करते समय ब्लास्ट होने से सीमा सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया। यह घटना सुबह करीब 9:30 बजे हेटारकसा गांव की सड़क पर पानीडोबीर कैंप के पास हुई।मिली जानकारी के अनुसार कांकेर के पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलेसेला ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों का दल हेटारकसा गांव की ओर रवाना हुआ था। इसी दौरान, पानीडोबीर कैंप के पास सड़क पर बारूदी सुरंग होने की जानकारी मिली। जब सुरंग को निष्क्रिय करने का प्रयास किया जा रहा था, तभी उसमें विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में बीएसएफ के जवान बी. ईश्वर राव के हाथ और चेहरे पर मामूली चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है।

शव से दुष्कर्म के आरोपी को हाई कोर्ट से भी नहीं मिली सजा

मां की गुहार खारिज..

बिलासपुर, 15 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने नौ साल की बच्ची के शव से दुष्कर्म के आरोपी को सजा देने से इनकार कर दिया। लोअर कोर्ट ने आरोपी नीलकंठ को केवल सबूत मिटाने का दोषी मानते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। हाई कोर्ट ने इस सजा को बरकरार रखते हुए मृतका की मां की अपील खारिज कर दी।

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की बेंच ने कहा कि जीवित व्यक्तियों के साथ-साथ मृतकों को भी गरिमा और सम्मान का अधिकार है। हालांकि, वर्तमान कानून में नेक्रोफीलिया (शव के साथ दुष्कर्म) के लिए कोई सजा का प्रावधान नहीं है।

यह मामला 18 अक्टूबर 2018 का है, जब मृतका की मां ने अपनी नौ साल की बच्ची के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच में नीलकंठ और नितिन यादव को गिरफ्तार किया गया। ट्रायल कोर्ट ने नितिन यादव को दुष्कर्म और हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जबकि नीलकंठ को केवल सबूत मिटाने का दोषी ठहराते हुए सात साल कैद की सजा दी गई। मृतका की मां ने हाई कोर्ट में अपील कर आरोपी को कठोर सजा की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि कानून में स्पष्ट प्रावधान न होने के कारण वह अतिरिक्त सजा नहीं दे सकती।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)